संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -28 बुधवार ,29 नवम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

उत्तरकाशी टनल से 41 मजदूर सुरक्षित निकाले गये

17 दिन के अथक प्रयास के बाद रेस्क्यू कर मजदूरो को बाहर निकालने में मिली सफलता

» 7.50 बजे पहला मजदूर बाहर आया

» 17 दिन टनल में फंसे रहे

उत्तरकाशी,28 नवम्बर 2023 (ए)। दिवाली पर जब पूरा देश रोशनी में नहाया हुआ था तब 41 मजदूर एक अंधेरी सुरंग में कैद हो गए। ये मजदूर चार धाम के लिए नया रास्ता बना रहे थे। उत्तरकाशी की सिल्क्यारा-डंडालगांव टनल का एक हिस्सा अचानक ढह गया और सभी मजदूर बाहरी दुनिया से कट गए।

रेस्क्यू एजेंसियों ने मजदूरों को बचाने की कवायद शुरू की। एक प्लान फेल हुआ, तो दूसरे पर काम शुरू हुआ। कभी सुरंग के मुहाने से तो कभी पहाड़ के ऊपर से खुदाई करके मजदूरों को निकालने की कोशिश की जाती रही। 12 नवंबर की सुबह 5.30 से 28 नवंबर की शाम 8.35 बजे तक यानी 17 दिन, करीब 399 घंटे बाद।

पहला मजदूर शाम 7.50 बजे बाहर निकाला गया था। 45 मिनट बाद रात 8.35 बजे सभी को बाहर निकाल लिया गया। सभी को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

रेस्क्यू टीम के सदस्य हरपाल सिंह ने बताया कि शाम 7 बजकर 5 मिनट पर पहला ब्रेक मिला था। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाहर निकाले गए श्रमिकों से बात की। उनके साथ केंद्रीय मंत्री वीके सिंह भी थे।

सब मजदूर स्वस्थ्य

रेट स्नेपर्स वाली कंपनी नवयुग के मैन्युअल ड्रिलर नसीम ने कहा- सभी मजदूर स्वस्थ्य हैं। मैंने उनके साथ सेल्फी ली। उन्होंने बताया कि जब आखिरी पत्थर हटाया गया तो सभी मजदूरों ने जयकारे लगाए।

टनल से अस्पताल तक बना ग्रीन कॉरिडोर

रेस्क्यू के बाद मजदूरों को 30-35 किमी दूर चिन्यालीसौड़ ले जाया गया। वहां 41 बेड का स्पेशल हॉस्पिटल बनाया गया है। टनल से चिन्यालीसोड तक की सड़क को ग्रीन कॉरिडोर घोषित किया गया था, जिससे रेस्क्यू के बाद मजदूरों को लेकर एम्बुलेंस जब अस्पताल जाए तो ट्रैफिक में न फंसे। यह करीब 30 से 35 किलोमीटर की दूरी है। इसको करीब 40 मिनट में तय किया गया।

21 घंटे में की 12 मीटर खुदाई

इससे पहले, सिल्क्यारा साइड से हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग में लगे रैट माइनर्स, हादसे के 17वें दिन दोपहर 1.20 बजे खुदाई पूरी कर पाइप से बाहर आ गए। उन्होंने करीब 21 घंटे में 12 मीटर की मैन्युअल ड्रिलिंग की। 24 नवंबर को मजदूरों की लोकेशन से महज 12 मीटर पहले ऑगर मशीन टूट गई थी। जिससे रेस्क्यू रोकना पड़ा था।इसके बाद सेना और रैट माइनर्स को बाकी के ड्रिलिंग के लिए बुलाया गया था। मंगलवार सुबह 11 बजे मजदूरों के परिजन के चेहरों पर तब खुशी दिखी, जब अफसरों ने उनसे कहा कि उनके कपड़े और बैग तैयार रखिए।

पीएम मोदी ने मजदूरों के धैर्य को किया सलाम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के रेस्क्यू ऑपरेशन की सफलता जाहिर की खुशी। कहा कि हर किसी को भावुक कर देने वाला है ये पल। पीएम ने मजदूरों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

राज्य सरकार रेस्क्यू किए गए श्रमिकों को देगी एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सिलक्यारा सुरंग से बाहर निकाले गए सभी 41 श्रमिकों को राज्य सरकार की ओर से एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड से श्रमिकों को एक माह का सवेतन अवकाश देने का आग्रह भी किया है।

उत्तरकाशी टनल में रैट माइनर्स ने कैसे काम किया

रैट माइनर्स 800 एमएम के पाइप में घुसकर ड्रिलिंग की। ये बारी-बारी से पाइप के अंदर जाते, फिर हाथ के सहारे छोटे फावड़े से खुदाई करते थे। ट्राली से एक बार में तकरीबन 2.5 क्विंटल मलबा लेकर बाहर आते थे। पाइप के अंदर इन सबके पास बचाव के लिए ऑक्सीजन मास्क, आंखों की सुरक्षा के लिए विशेष चश्मा और हवा के लिए एक ब्लोअर भी मौजूद रहता था।

रैट होल माइनिंग क्या है?

रैट का मतलब है चूहा, होल का मतलब है छेद और माइनिंग मतलब खुदाई। मतलब से ही साफ है कि छेद में घुसकर चूहे की तरह खुदाई करना। इसमें पतले से छेद से पहाड़ के किनारे से खुदाई शुरू की जाती है और पोल बनाकर धीरे-धीरे छोटी हैंड ड्रिलिंग मशीन से ड्रिल किया जाता है और हाथ से ही मलबे को बाहर निकाला जाता है।

रैट होल माइनिंग नाम की प्रकिया का इस्तेमाल आमतौर पर कोयले की माइनिंग में खूब होता रहा है। झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तर पूर्व में रैट होल माइनिंग जमकर होती है, लेकिन रैट होल माइनिंग काफी खतरनाक काम है, इसलिए इसे कई बार बैन भी किया जा चुका है।

टनल एक्सपर्ट्स बोले-पहाड़ ने हमें विनम्र रहना सिखाया

इंटरनेशनल टनल एक्सपर्ट्स अर्नोल्ड डिक्स ने मंगलवार को दैनिक भास्कर से बतचीत में कहा- पहाड़ ने हमें एक बात बताई है, वह है विनम्र बने रहना। 41 आदमी, घर सुरक्षित और फिर आप सबसे असाधारण चीज की रिपोर्ट करेंगे। डिक्स का इशारा ऑपरेशन की सफलता की ओर था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी को फोनकर रेस्क्यू ऑपरेशन की अपडेट ली। उन्होंने कहा कि अंदर फंसे श्रमिकों की सुरक्षा के साथ-साथ बाहर राहत कार्य में लगे लोगों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि अंदर फंसे श्रमिकों के परिवारों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। टनल के अंदर फंसे 41 मजदूरों को 6 इंच की इसी पाइप के जरिए खाना और जरूरी सामान भेजा गया था।

भारत की हार पर जश्न मनाने के आरोप में 7 कश्मीरी छात्र गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर,28 नवम्बर 2023 (ए)। विश्व कप 2023 फाइनल में टीम इंडिया की हार का जश्न मनाने के आरोप में सात कश्मीरी छात्रों को गिरफ्तार किया गया। इन पर सख्त गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया। अधिकारियों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के एक विश्वविद्यालय के 7 छात्रों को कथित तौर पर भारत विरोधी नारे लगाने और विश्व कप 2023 फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम की हार का जश्न मनाने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार किया गया है।

क्या कहती है कश्मीर पुलिस?

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार कश्मीरी छात्र शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (एसकेयूएएसटी)-कश्मीर में पढ़ रहे हैं और उन पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारियों पर कुछ राजनेताओं की आलोचना के बाद, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि गिरफ्तारियां यूएपीए की धारा 13 के तहत की गई थीं। अधिनियम के अन्य प्रावधानों के विपरीत, यह अधिनियम का एक नरम प्रावधान है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला समेत कई राजनेताओं ने पुलिस की कार्रवाई की निंदा की है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख ने विश्वविद्यालय के 7 छात्रों की गिरफ्तारी को चौंकाने वाला बताया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से इस मुद्दे पर गौर करने का अनुरोध किया है।

उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि चिंताजनक और चौंकाने वाली बात यह है कि जीतने वाली टीम के लिए जयकार करना भी कश्मीर में अपराध माना गया है। पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और अब छात्रों पर यूएपीए जैसे कठोर कानूनों को लागू करने से जम्मू-कश्मीर में युवाओं के प्रति प्रतिष्ठान की क्रूर मानसिकता का पता चलता है।

श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए मुफ्ती ने कहा कि यूएपीए का इस्तेमाल आतंकवादियों पर मामला दर्ज करने के लिए किया जाता है, लेकिन सरकार ने युवाओं, पत्रकारों और छात्रों को कड़े कानून के तहत गिरफ्तार किया है।

विचारधारा को पिंजरे में बंद नहीं कर सकतेः मुफ्ती

मुफ्ती ने सवालिया अंदाज में कहा कि खेल तो खेल है। हमारे प्रधानमंत्री और उनसे पहले भी कई लोग मैच देखने गए हैं और जो टीम अच्छा खेलती है उसका हौसला बढ़ाते हैं, वे विपक्षी टीम का भी हौसला बढ़ाते हैं। जेके में वे दावा करते हैं कि यहां चीजें ठीक हैं, फिर इतना डर और व्याकुलता क्यों है? ऑस्ट्रेलिया की जीत का जश्न मना रहे कुछ छात्रों पर? आपको जम्मू-कश्मीर के लोगों का दिल और दिमाग जीतना होगा। आप कितनों को जेल में डालेंगे? मैंने पहले भी कहा है कि एक विचारधारा होती है और आप किसी विचारधारा को पिंजरे में बंद नहीं कर सकते। युवाओं, पत्रकारों पर इस तरह के मामले दर्ज किए जा रहे हैं। यूएपीए, जो आतंकवादियों के लिए हैं। अब, वे इसका इस्तेमाल छात्रों के लिए कर रहे हैं और उनका करियर बर्बाद कर रहे हैं।

रैलियों और बैठकों में भाग नहीं ले सकेंगे टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू

नई दिल्ली, 28 नवम्बर 2023 (ए)। कौशल विकास निगम घोटाला मामले में जमानत के खिलाफ आंध्र प्रदेश सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को नोटिस जारी किया। एससी ने चंद्रबाबू नायडू को सुनवाई की अगली तारीख तक सार्वजनिक रैलियों, बैठकों में भाग नहीं लेने का निर्देश दिया।चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास घोटाले में मुख्य आरोपी के रूप में नामित किया गया है, जिसमें 250 करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला करने का आरोप है।

थम गया चुनाव प्रचार का शोर

» 30 नवंबर को वोटिंग, आखिरी दिन सभी दलों ने झोंकी ताकत

नई दिल्ली/ हैदराबाद ,28 नवम्बर 2023 (ए)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए के लिए मंगलवार 28 नवंबर प्रचार प्रसार थम गया। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सभी दलों ने पूरी ताकत झोंकी है। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों, भाजपा, कांग्रेस और बीआरएस के शीर्ष नेतृत्व अपने उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांगने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में घूमे । राज्य में 30 नवंबर को मतदान होगा और 3 दिसंबर को परिणाम जारी किया जाएगा।

बलेश्वर मंदिर बावड़ी हादसे में हुई 36 लोगों की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने जबाब मांगा

इंदौर,28 नवंबर 2023 (ए)। बलेश्वर मंदिर बावड़ी हादसे में हुई 36 लोगो की मौत मामले में हाई कोर्ट ने जनहित याचिका में सुनवाई करते हुए जिमेदारो से 4 सप्ताह में जवाब मांगा है।

कोर्ट ने रिपोर्ट तलब की

बलेश्वर ट्रस्ट और नगर निगम को जारी किए नोटिस सरकार से भी मजिस्ट्रेट जांच की रिपोर्ट और आपराधिक प्रकरण की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने हेतु आदेशित किया।

पूर्व पार्षद महेश गर्ग और कांग्रेस नेता प्रमोद द्विवेदी ने अधिवक्ता मनीष यादव और अधिवक्ता अदिती मनीष यादव के माध्यम से दो अलग अलग जनहित याचिका दायर कर उच्च न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की है । मामले में मृतको को 25 लाख का मुवावजे की दोषियों पर कड़ी आपराधिक कार्यवाही दोषी नेताओ के खिलाफ जांच,शहर की विभिन्न बावड़ियों और कुओ से तत्काल कब्जे हटाए जाने की और मामले की जांच उच्च न्यायालय की निगरानी में गठित कमेटी से कराए जाने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति अनिल वर्मा की डबल बेंच ने जवाब मांगा।

इतनी छोटी सोच नहीं रखें

» सुप्रीम कोर्ट ने पाकिस्तानी कलाकारों को बैन करने की याचिका खारिज करके कही ये बात

नई दिल्ली,28 नवंबर 2023 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है जिस याचिका में पाकिस्तान के कलाकारों और एक्टर्स के भारत में काम करने पर पूरी तरह बैन लगाने की मांग वाली अर्जी को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के खिलाफ उच्च न्यायालय द्वारा

की गई कुछ टिप्पणियों को रिकॉर्ड से बाहर करने की याचिका भी खारिज कर दी।

याचिका में अदालत से केंद्र सरकार को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि अदालत भारतीय नागरिकों, कंपनियों, फर्म और एसोसिएशन पर पाकिस्तान के सिने कर्मियों, गायकों, गीतकारों और तकनीशियनों सहित किसी भी पाक कलाकार को रोजगार देने या किसी भी काम अथवा प्रस्तुति के लिए बुलाने, कोई सेवा लेने या किसी भी संगठन में प्रवेश करने आदि पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने फैज अनवर कुरैशी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया।

संपादकीय

डूबती उम्मीदों के बीच

वाजिब आशंका है कि बचाव कार्य लंबा खिंचा, तो डूबती-उतराती उम्मीदों के बीच जी रहे मजदूर क्या तब तक अपना जीवन संघर्ष जारी रख पाएंगे। फिलहाल यह साफ है कि मीडिया में बनाया गया यह माहौल निराधार था कि अब कुछ घंटों का ही इंतजार बाकी है।

उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों के जल्द निकल आने की उम्मीदें अब कमजोर पड़ गई हैं। इस कार्य के लिए ऑस्ट्रेलिया से बुलाए गए विशेषज्ञ ने तो इस कार्य के पूरा होने की समयसीमा क्रिसमस तक बढ़ा दी है। यानी पूरा एक महीना और। यह आशंका वाजिब है कि सचमुच यह काम इतना लंबा खिंचता है, तो डूबती-उतराती उम्मीदों के बीच जी रहे मजदूर क्या तब तक अपना जीवन संघर्ष जारी रख पाएंगे। बहरहाल, यह तो साफ है कि सरकारी ब्रीफिंग के आधार पर मीडिया द्वारा कुछ घंटों के इंतजार का बनाया गया माहौल निराधार था। इस बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सुरंग के पास जाकर टीवी कैमरों के कवरेज के बीच मजदूरों को यह बता आए प्रधानमंत्री उनकी रोज खोज-खबर ले रहे हैं। लेकिन ऐसे त्रासद मौके को भी इवेंट बना देने वाली सरकार अपनी उस परियोजना पर पुनर्विचार करने को तैयार नहीं है, जिसे पर्यावरणविदों की चेतावनियों के बावजूद आगे बढ़ाया जा रहा है।

इन चेतावनियों में बार-बार कहा गया है कि हिमालय की पारिस्थितिकी इतनी भुरभुरी है, जिसमें छेड़छाड़ बड़े हादसों को न्योता देना है। हाल के वर्षों में हिमालय क्षेत्र में पारिस्थितिकीय दुर्घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इसी वर्ष इसका भयानक नजारा हिमाचल प्रदेश में देखने को मिला। बताया जाता है कि सुरंग ढहने के पीछे भी एक प्रमुख कारण हिमाचल की ऐसी संचरना ही है। बहरहाल, आज देश में ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण माहौल बना हुआ है, जिसमें हादसों या अप्रिय घटनाओं की तह में जाने संबंधी चर्चा की गुंजाइश बेहद सिमट गई है। राजनीतिक संस्कृति ऐसी बन गई है, जिसमें आतंकवादियों के हाथों जान गंवाने वाले सैनिक अफसर के घर मंत्री सहायता राशि का चेक लेकर जाते हैं, तो बिलखती मां को उसे सौंपने के लिए टीवी कैमरों और लाव-लश्कर का पूरा तामझाम लगाया जाता है। इतना कि उस लाचार मां को यह कहना पड़ता है कि यहां प्रदर्शनी मत लगाओ। यह दुखद घटना रजौरी मुठभेड में मारे गए कैप्टन शुभम गुप्ता के आगरा स्थित घर पर हुई। मजदूरों की डूबती-उबरती को सांसों को भी इवेंट बनाने की कोशिश को इसी क्रम में देखा जाएगा।

भूकंप से कैसे कम हो जोखिम

पश्चिमी नेपाल में आए 6.4 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप से 157 से ज्यादा लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए हैं।नेपाल में आए शक्तिशाली भूकंप का असर नेपाल से सटे बिहार व उत्तर प्रदेश के अलावा पश्चिम बंगाल, झारखंड और दिल्ली तक महसूस किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक जिस इलाके में 500 साल पहले भीषण भूकंप आया हो, उस इलाके में 8 या उससे ज्यादा तीव्रता वाला शक्तिशाली भूकंप आने का खतरा होता है, और नेपाल में यह खतरा बरकरार है। दरअसल, विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों के मुताबिक पश्चिमी नेपाल की सतह के नीचे 500 वर्षों से भूकंपीय ऊर्जा जमा हो रही है, और यह शक्ति इतनी ज्यादा है कि इससे रिक्टर स्केल पर 8 या उससे भी अधिक तीव्रता वाला भूकंप आ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नेपाल में 1505 में आया भूकंप इतना शक्तिशाली था कि उससे जमीन 20 मीटर तक खिसक गई थी। वह भूकंप 8.5-8.7 तीव्रता का था। उसी से दिल्ली की कुतुबमीनार से लेकर ल्हासा तक काफी नुकसान हुआ था। 1505 के भूकंप के बाद सबसे भयावह भूकंप 1934 के भूकंप को माना जाता है, जिससे काठमांडू से लेकर बिहार तक भारी नुकसान हुआ था।

जहां तक भारत में भूकंप के खतरों की बात है तो नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी (NCS) के एक अध्ययन में बताया जा चुका है कि 20 भारतीय शहरों तथा कस्बों में भूकंप का खतरा सर्वाधिक है, जिनमें दिल्ली सहित नौ राज्यों की राजधानियां भी शामिल हैं। हिमालयी पर्वत श्रृंखला क्षेत्र को दुनिया में भूकंप को लेकर सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, और एनसीएस के एक अध्ययन के अनुसार भूकंप के लिहाज से सर्वाधिक संवेदनशील शहर इसी क्षेत्र में बसे हैं।

कई भूगर्भ वैज्ञानिक आशंका जता चुके हैं कि भूकंप के छोटे-छोटे झटके बड़े भूकंप के संकेत हो सकते हैं। कई विशेषज्ञ दिल्ली से बिहार के बीच 7.5-8.5 तीव्रता के बड़े भूकंप की आशंका जता चुके हैं। दिल्ली-एनसीआर में तो भूकंप के झटके बार-बार लगते रहे हैं। हालांकि एनसीएस की ओर से कहा गया है कि दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में आने वाले भूकंप के झटकों से घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि जोखिम कम करने के उपायों पर जोर देने की जरूरत है। यह भी कहा गया है कि ऐसी कोई तकनीक नहीं है, जिससे भूकंप आने के समय, स्थिति और तीव्रता की सटीक भविष्यवाणी की जा सके। भूगर्भ वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली-हरिद्वार रिज में खिंचाव के कारण धरती बार-बार हिल रही है। भूकंप के लिहाज से दिल्ली एनसीआर को काफी संवेदनशील इलाका माना जाता है, जो दूसरे नंबर के सबसे खतरनाक सिस्मिक जोन-4 में आता है। भूकंप के लिहाज से दिल्ली एनसीआर को काफी संवेदनशील इलाका माना जाता है, जो दूसरे नंबर के सबसे खतरनाक सिस्मिक जोन-4 में आता है। एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली में करीब 90 फीसद मकान ऋंकीट और सरिये से बने हैं, जिनमें से 90 फीसद इमारतें रिक्टर स्केल पर छह तीव्रता से तेज भूकंप को झेलने में समर्थ नहीं हैं। एनसीएस के एक अध्ययन के अनुसार दिल्ली का करीब 30 फीसद हिस्सा जोन-5 में आता है, जो भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट में भी बताया जा चुका है कि दिल्ली में बनी नई इमारतें 6-6.6 तीव्रता का भूकंप झेल सकती हैं जबकि पुरानी इमारतें 5-5.5 तीव्रता का भूकंप ही सह सकती हैं।

-योगेश कुमार गोयल-

चुनाव मतलब लोगों को मूर्ख बनाना!

भारत में अब सारे चुनाव आम लोगों को मूर्ख बनाने, उनको बरगलाने, निजी लाभ का लालच देने, उनकी आंखों पर पट्टी बांधने या उनकी आंखों में धूल झोंकने का उपक्रम और मौका है। पार्टियों के घोषणापत्र में भले कुछ भारी-भरकम बातें लिखी जाती हों लेकिन प्रचार में सिर्फ लोक लुभावन घोषणाएं होती हैं, जिन्हें गारंटी का नाम दिया जा रहा है। कहीं मोदी की गारंटी है तो कहीं कांग्रेस और राहुल की गारंटी है। उस गारंटी में यह है कि सरकार बनी तो हर वयस्क महिला को एक हजार से लेकर ढाई हजार रुपए तक महीना दिया जाएगा, स्कूल जाने वाले बच्चों को पांच सौ से लेकर तीन हजार रुपए तक दिए जाएंगे, महिलाओं को मुफ्त में बस यात्रा की सुविधा दी जाएगी, हर व्यक्ति को मुफ्त में पांच किलो अनाज मिलेगा, कहीं मुफ्त में घर देने की गारंटी है तो कहीं मुफ्त में शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा देने की गारंटी है, कहीं स्कूटी, लैपटॉप और स्मार्ट फोन मुफ्त देने की बात है तो कहीं रसोई गैस सिलेंडर सस्ता करने का वादा है तो कहीं बिजली, पानी मुफ्त में देने की बात है। कहीं जाति गणना करा कर आरक्षण की सीमा बढ़ाने का वादा है तो कहीं अयोध्या में राममंदिर का मुफ्त दर्शन कराने की गारंटी है। कोई रैयतू बंधु है तो किसानों को सम्मान निधि दे रहा है। कोई पिछड़ा राज लाने की बात कर रहा है तो कोई हिंदू राष्ट्र बनाने का ऐलान कर रहा है।

अब सवाल है कि कोई इस बात की गारंटी क्यों नहीं दे रहा है कि वह लोगों को इतना सक्षम बनाएगा कि वह खुद अयोध्या जाकर राममंदिर के दर्शन करे या पैसे देकर बस में सफर कर सके या अनाज खरीद कर अपना पेट भर सके?

हां, कोई भी पार्टी नागरिकों को सक्षम बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने, धनवान और बुद्धिमान बनाने की गारंटी नहीं दे रही है। पार्टियां बिना किसी प्लान के ऐलान कर रही हैं कि सरकार बनी तो इतने लाख लोगों को नौकरी देंगे। लेकिन साथ में यह बताना जरूरी नहीं समझती हैं कि वह नौकरी कहां होगी? क्या सरकारी नौकरियों में बढ़ोतरी की जा रही है या उद्योग-धंधे स्थापित किए जाएंगे, जिनमें नौकरियां मिलेंगी? दूरगामी विकास की कोई योजना किसी पार्टी के प्रचार में सुनाई नहीं देती है। देश की ढांचागत गड़बड़ियों को दूर करने के बारे में बात नहीं होती है। किसानों को सम्मान निधि दी जाएगी लेकिन कृषि की लागत कम हो, उनका मुनाफा बढ़े और उन्हें सिंचाई के लिए मॉनसून पर न निर्भर रहना पड़े इसकी घोषणा नहीं होती है। महिलाओं को आरक्षण देने का कानून बना देंगे और उनके लिए मुफ्त बस पास भी बनवा देंगे लेकिन राजनीति में उन्हें बराबर की भूमिका नहीं देंगे। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में औसतन 10 फीसदी महिला उम्मीदवार मैदान में हैं।

दुनिया के किसी लोकतंत्र में ऐसी हिप्पोक्रेसी देखने को नहीं मिलेगी कि नेता कहेंगे कुछ और करेंगे कुछ और। सबका ध्यान सिर्फ इस बात पर होता है कि चुनाव कैसे जीता जाए। सारी बुद्धि इसमें लगानी है कि क्या कहने से या क्या मुफ्त में देने से जनता वोट देगी। चुनाव जीत गए फिर तो जो मन में हो वह करेंगे। जनता भी वोट देने के बाद सब कुछ भूल कर अपने रोजमर्रा के संघर्षों में लग जाती है। जनता को याद भी नहीं रहता है कि किस पार्टी ने क्या वादा किया था। आखिर 2014 का चुनाव नरेंद्र मोदी पेट्रोल, डीजल सस्ता करने, डॉलर सस्ता करने, काला धन वापस लाने, महिलाओं का सम्मान बहाल करने, महंगाई रोकने और भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर लड़े थे। लेकिन नौ वर्षों में इसका बिल्कुल उलटा हुआ है। पेट्रोल, डीजल के दाम दोगुने हो गए और डॉलर की कीमत भी डेढ़ गुनी हो गई। न काला धन वापस आया और न महंगाई घटी। लेकिन लोग उसे भूल गए और पांच किलो अनाज के लाभार्थी बन कर वोट देने लगे।

-हरिशंकर व्यास-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

राजस्थान:या तो जात या बालकनाथ!

एक शब्द में राजस्थान चुनाव 2023 का लबोलुआब है-'दिलचस्प', 'हैरानीभरा'।इसलिए क्योंकि जो पहले माना जा रहा था और जो पुराना ढर्रा था उस पर चुनाव नहीं हुआ है।

राजधानी जयपुर के कई पत्रकारों ने पहले से ही धारणाएं बनाई हुई थी।गुलाबी शहर के जवाहर कला केन्द्र की ऊंची दीवारों के बीच वे एक सपाट वाक्य बोलते थे-''हर पांच साल में यहां बदलाव होता है । अब की बार बीजेपी ही आएगी, इसलिए क्या कवर करना ? इस बात में दम भी था। तभी दूर से देखने पर राजस्थान के चुनाव नीरस नजर आ रहे थे। आखिरकार 1998 से लेकर अब तक हर पांच साल में सरकार बदलना राजस्थान का रिवाज है। तो 2023 भला अलग क्यों होगा? खासकर तब जब भाजपा ने घिसेपिटे चेहरों को दरकिनार कर दिया है,बाबाओं और योगियों, सांसदों और राजपरिवारों के सदस्यों को दिल खोलकर टिकट दिए हैं, प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे को आगे रखा है और हिंदुत्व का माहौल बनाया है तो इस सब की रियलिटी में धारणा स्वभाविक ही है कि राजस्थान में भाजपा की जबरदस्त जीत होनी है।

पर क्या इतना आसान और एकतरफा चुनाव हुआ है? क्या रिकार्ड तोड मतदान भाजपा की आंधी का संकेत है? या जाति आधारित प्रतिस्पर्धा में हुई वोटिंग का सबूत है?भाजपा के पक्ष में तीन बातें निर्विवाद है। राजस्थान में नरेंद्र मोदी का करिश्मा गहरा पैंठा हुआ है। चाहे तो इसका संकेत शहरों में रिकार्ड तोड मतदान को माने। फिर भाजपा के कार्यकर्ता अधिक सक्रिय और वोट डालने की जिद्द में नजर आएं। तीसरी बात, कांग्रेस के मुकाबले भाजपा संगठन और उसका प्रचार तंत्र अधिक चुस्त और मजबूत दिखा। बावजूद इसके देहात-कस्बों और जमीनी गणित और कैमेस्ट्री में इस बार के चुनाव की बातें, सरोकार और रंग-ढंग अलग थे। और हर 25-50 किलोमीटर पर माहौल बदला हुआ नजर आया। ऐसा माहौल जो पिछले चुनावों में नहीं देखा गया, जिसे भांपना बहुत दिलचस्प था और जो जाति और उससे जुड़े सरोकारों पर आधारित था। मुझे छतीसगढ़ और मध्यप्रदेश में घूमते हुए सीट वार वैसा संघर्ष नहीं दिखलाई दिया जैसा राजस्थान में दिखा। अपनी चुनावी यात्रा शुरू करने के पहले मैं जयपुर के एक प्रमुख वरिष्ठ पत्रकार से मिली। उनका कहना था कि मैं 1985 से चुनाव कवर कर रहा हूं लेकिन मैंने कभी चुनावी नैरेटिव पर जाति का इतना असर नहीं देखा। यही बात उदयपुर में मुझसे उस होटल में भी कही गई जहां में ठहरी थी।सलूंबर के हरिसिंह ने चुनावों के बारे में सिर्फ एक बात कही- इस बार तो सबकुछ जात पर है।और मैं भी मतदान के बाद यह बात मानते हुए हूँ।

जबकि पुराने जानकार कहते है राजस्थान के लोगों के लिए जाति कभी बड़ा मुद्दा नहीं रही है। आपकी जाति या गोत्र जानने में किसी की दिलचस्पी नहीं रहती थी। चुनाव पार्टी के झंडे, दोनों पार्टियों के कट्टर वोट बैंक और एटीं इनकंबेसी फेक्टर पर हुआ करते थे या पानी, बिजली, रोजगार जैसे मुद्दों पर होते थे। लेकिन अबकी बार अपनी यात्रा के दौरान जब मैं आम लोगों से टोह लेने के लिए उनसे जब भी बात शुरू करती थी तो वे मुझसे पहले जानना चाहते थे-÷आप कौनसी जात से हैं?÷। यह सवाल मुझसे धोद (सीकर) से लेकर नसीराबाद और वहां से लेकर बांसवाड़ा तक पूछा गया। जाट, गुर्जर, एससी, ओबीसी, ब्राम्हण, बनिया ङ्क सभी मुझसे बात करने के पहले मेरी जाति जानना चाहते थे। मुझे यह इतना अजीब लगता था कि मैं उत्तर न देने की कोशिश करती थी। परंतु अंततः मुझे अपनी जाति बतानी ही पड़ती थी।

ऐसा 2018 में नहीं होता था और ना ही उसके पहले। इस बार राजस्थान के एक कोने से दूसरे

कोने तक के अपने सफर के दौरान मुझे यह अहसास हुआ कि राजस्थान धीरे-धीरे उत्तरप्रदेश बनता जा रहा है। उम्मीदवार की जाति अब सबसे महत्वपूर्ण हो गई है।

हिन्दू बनाम मुस्लिम, हिन्दू राष्ट्र, हिन्दुत्व आदि की बातें केवल शहर वाले करते हैं। गांव-देहात में जाति ही सबसे अहम है। जाति की राजनीति ने राजस्थान के चुनाव को जटिल बना दिया है।ध्यान रहे जब भी जाति महत्वपूर्ण कारक बनती है तब चुनाव का गणित,केमिस्ट्री और मूड तीनों बदल जाते हैं।

फिर लोगों के नए 'सरोकार' भी दिखे। इन सरोकारों का पहले कभी कोई जिक्र नहीं होता था। मगर अब ये सरोकार चुनावी मुद्दा बन गए हैं। नसीराबाद में 80 साल के रतनलाल ने कहा,÷राजस्थान उत्तरप्रदेश बन रहा है÷। रतनलाल जाट हैं। उनके लिए ÷उत्तरप्रदेश बन रहा है का मतलब है कि गुर्जरों की ताकत और प्रभाव बढ़ रहा है। रतनलाल के अनुसार जैसे उत्तरप्रदेश में यादव 'दादा' बन गए हैं उसी तरह राजस्थान में गुर्जर अपना वर्चस्व कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दौसा में एक गुर्जर ने मुझसे कहा,ये मीणा लोग आजकल बहुत हावी हो रहे हैं। राजसमंद के राजनगर में एक दुकानदार ने कहां, इन दिनों जाट बहुत हवा में उड़ रहे हैं।मतलब अपनी जाति तो मुद्दा है ही।दूसरी जातियों के बढ़ते वर्चस्व की चिंता भी सीकर के धोद से लेकर बांसवाड़ा के गढ़ी तक ओबीसी जातियों के बीच व्याप्त है और वह चुनाव में उतरे उम्मीदवारों पर फैसले में हावी है।

राजस्थान में गुर्जर, मीणा, राजपूत और जाट ये चार प्रमुख समुदाय हैं जिनमें दबदबे को लेकर गहरा कंपीटिशन है। राज्य में कुल मतदाता कोई सवा पांच करोड है। इसमें एससी व एसटी का हिस्सा कोई 31 प्रतिशत है। वही मुस्लिम 9 प्रतिशत। फिर जाट व ब्रहाम्ण अधिक। मीणा कोई 8 प्रतिशत और गुर्जर पांच और राजपूत छह प्रतिशत बतलाए जाते है। इन सभी जातियों में उम्मीदवार की जाति की पहचान बड़ा फेक्टर है। इसके बाद हिंदू-मुस्लिम धुव्रीकरण से लोग प्रभावित दिखें, खासकर शहरी इलाकों में। इसी के चलते जयपुर और भीलवाड़ा के शहरी इलाकों के फारवर्ड लोग भी यादव बाबा बालकनाथ को बतौर मुख्यमंत्री पहली पसंद बतलाते मिले। कई लोगों ने कहा,÷उत्तरप्रदेश जैसा योगी राजस्थान में भी चाहिए।

इसलिए जाति और धर्म में चुनाव रंगा हुआ था। पानी, बिजली, सड़क जैसे मसलों पर लोग बोलते हुए नहीं थे। कई जिलों में अब भी 'हर नल में जल' नहीं है मगर फिर भी बात लोग जाति की कर रहे हैं। आरएलपी (राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक पार्टी) और बीटीपी (भारतीय ट्राइबल पार्टी) जैसी पार्टियों के चलते भी जाति का नैरेटिव और मजबूत हुआ है।इसलिए प्रदेश में चुनाव अब केवल कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं हैं बल्कि बसपा, आजाद समाज पार्टी और ढेर सारे निर्दलीय उम्मीदवारों से भी गणित और कैमेस्ट्री बिगडी हैं। मेवाड़ इलाके को लें। मेवाड़-वागड़ (उदयपुर संभाग) में 28 सीटें हैं। माना जाता है कि यहां जो जीतता है राज्य में उसी की सरकार बनती है। हालांकि सन् 2018 में यह भ्रम टूटा था। पर इस बार यहाँ चुनावी गणित गड़बड़ाई है। वजह है बागियों का चुनावी मैदान में होना।ऐसी 13 सीटें हैं जिन पर बागी उम्मीदवार उलटफेर कर सकते हैं।

इन सबके बीच में एक व्यक्ति करीब-करीब सभी लोगों के दिलो-दिमाग में अपनी जगह बतौर नेता बनाए हुए मिला। और वह है अशोक गहलोत। सभी धर्मों और जातियों के लोगों में गहलोत को लेकर पोजिटिव धारणा है। कह सकते है पांच साल के राज के बाद जो सत्ता-विरोधी लहर दिखनी थी वह नहीं दिखाई दी। जिस तरह शिवराज सिंह चौहान के बारे में कहा जा रहा है कि लाड़ली बहना योजना के कारण उन्हें जनसमर्थन मिला है (और कुछ लोग तो यहाँ तक कह रहे हैं कि वे भाजपा को चुनाव जिता ले जाएंगे), उसी तरह गहलोत की लोकलुभावन कल्याण योजनाएं उनकी मददगार हैं। गहलोत के लिए गुजरे साल आसान नहीं थे। भाजपा और मीडिया दोनों ने 'लाल डायरी'को मुद्दा बनाया था।उनकी सरकार में भ्रष्टाचार का हल्ला खूब हुआ। परंतु लोगों के लिए यह वैसे ही मुद्दा नहीं है जैसे छत्तीसगढ़ में महादेव एप का मुद्दा भाजपा और मीडिया द्वारा जमकर उछालने के बावजूद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की छवि बिगाड नहीं पाया।

अब बात सचिन पायलट की।यदिकांग्रेस वापस आई तो क्या सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनना चाहिए? 2018 में गुर्जर चाहते थे कि मुख्यमंत्री उनकी बिरादरी से हो।वे अब भी यही चाहते हैं। और यही वजह है कि दौसा और टोंक जैसे कुछ इलाकों में कांग्रेस के प्रति गुस्से के चलते इस जाति के लोग भाजपा के साथ जा सकते हैं। मगर अन्य जातियों में से कोई भी पायलट के मुख्यमंत्री बनने के समर्थन में नहीं दिखा। लोगों की राय यही थी कि कांग्रेस की सत्ता में वापिसी की स्थिति में अशोक गहलोत को फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहिए। दरअसल इस चुनाव में राजस्थान में हर समुदाय अपना विधायक, अपने मुख्यमंत्री की उधेडबुन में रहा है।तभी राजस्थान में यह चुनाव वैसा नहीं है जैसा पहले होते थे।मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की तुलना में राजस्थान के बारे में भविष्यवाणी करना ज्यादा जोखिमपूर्ण है। मैं न यह कहने की स्थिति में हूं कि भाजपा जीतेगी या गहलोत की वापसी होगी। राजस्थान की जनता के दिल-दिमाग में सिर्फ और सिर्फ जाति हावी है या बालकनाथ का नाम है। यदि इसी अनुसार वोट मतपेटियों में पड़े तो तीन दिशंबर को नतीजे सचमुच चौंकाने वाले होंगे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अब हम सिर नहीं झुकाएँगे

सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा/ इतना मत चाहो उसे वो बेवफा हो जाएगा। बशीर बद्र जी का यह शेर मुझे भाता आ रहा है।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम
आंध्र प्रदेश

लेकिन इस बीच पत्थर, देवता पर तो काफी कुछ किया,लिखा और समझाया जा चुका है। मेरा ध्यान सिर झुकाने पर आ गया है। सिर झुकाना वर्तमान समय का ऐसा मुहावरा बन गया है कि चाहे वह अखबारों में हो या तथाकथित निष्पक्ष इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हो काफी दिनों से शोर मचा रहा है।

बड़े भैया ने कह दिया मैंने देशवासियों का सिर झुकने न दिया। अनायास ही वे अपने शासनकाल के सत्यों को उजागर कर गए। 'सच्चाई छुप नहीं सकती' बात है। आपको अचरज होगा ऐसा कौन सा गूढ़ रहस्य है कि इस सिपर जो हल्ला मचाया जा रहा है। तो आइए हम खुलासा करते चलें। आपको शंका करने और हमें समाधान करने के अवसर ही कितने हैं आज के व्यस्त, त्रस्त और सुस्त जिंदगी में। नोटबंदी या डिमॉनेटाइजेशन के पीछे न झुकने देने वाली बात थी। हम अपने पुराने नोटों को बैंकों के आगे कतारों में खड़े होकर नए नोटों में बदलवाने की कसरत कर रहे थे। तब उछल उछल कर देखते थे कि कहीं कोई और बीच लाइन में तो नहीं घुस गया। कभी आसमां पर आग उगलते सूरज की तरफ, तो कभी सामने वाले के कांधे से झांक कर देखते थे कि लाइन चल रही है या नहीं। कैसे सिर झुकाते? भार ढ़ोते-ढ़ोते कांधे जरूर झुक गए लेकिन सिर झुका नहीं। इसी तरह हमने जीएसटी के लिए भी सिर उठाकर मारामारी की मगज पच्ची की। जब देश में कोरोना आया तीन बार वह अपना करतब दिखाते हुए सारे शासकों और प्रशासकों की निष्क्रियता का पोल खोलता हुआ मंद पड़ गया। हम अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन पाने, वैक्सीन लगवाने लाइन पर लग गए। आसमा की तरफ सिर उठाकर ऊपर वाले से मन ही मन पूछते यह किस जन्म का बदला ले रहे हो भगवान? कुछ करिए या उठा लीजिए! हम इस वक्त भी हमेशा सिर उठाए रहे ईश्वर को कोसने या उससे मदद मांगने।

सिर झुकाने का अवसर बड़े भैया ने कभी नहीं दिया। जब मुद्रास्फीति या महंगाई आसमान छू रही है, तब हम जमीन पर देखते भी कैसे? तेल, नून, लकड़ी की तर्ज पर तेल, अनाज, सब्जियां, पेट्रोल, डीजल, ईंधन गैस, बिजली का बिल, यातायात के भाड़े ... जब जाकर आसमान में बैठ गए, तो हम हमेशा खुद को आसमान में उड़ते देखते रहे,-- उन चीजों के दामों पर लगाम कसे जाने के लिए।

इतना होने के बाद भी जब सुबह उठते हैं तो सूरज को देखते हैं, जो आजकल शासक वर्ग की ज़्यादतियों की तरह आग उगल रहा है। बिजली गुल, पंखे बंद, हाथ पंखों से हवा करते हुए ऊपर देखने के अलावा किया किया जा सकता है? कहीं जाने आने में पांव की जंजीर बनी महंगाई का विकटाट्टहास आसमां में छिपे राक्षसों के स्वर सा सुनाई पड़ता है तो लगता है हम जमीन पर क्यों पैदा हुए? पांव के नीचे की जमीन खिसकती सी लगती है। जब सारा कुछ पहुंच से बाहर है तो सिर झुकाने की फुर्सत किसको है? कौन जुर्रत कर रहा है?

अब नया शगल आ गया है। ड्रोन द्वारा गुणवत्ता की जांच। इसके पहले कई वैज्ञानिक खोजों के पितामह बड़े भैया का यह लेटेस्ट तुरुप का इक्का है। ड्रोन देखने के लिए भी तो आपको ऊपर ही देखना होगा। हमेशा कोशिश करते हैं वे कि लोग सिर झुका कर नीचे न देखें। वरना खराब सड़कें, खामियों का खुला आगोश और समस्याओं के पुलिंदे नजर आएंगे। आसमान में महंगाई ने दिन में तारे दिखा दिए। निष्क्रिय प्रशासन और निद्रामग्न शासन को तो बस लोगों को भी अकर्मण्य और निष्क्रिय बनाना ही उद्देश्य रह गया है। बेरोजगारों की संख्या आसमान पर, अपराधों की संख्या शिखर पर, कमियों खामियों का हिमालय और हम हैं कि ड्रोन में अपना सुनहरा भविष्य देखते हैं। ड्रोन से आप ताक झांक जरूर कर सकते हैं। गुणवत्ता उस ऊंचाई पर सक्रिय ड्रोन सेज्ज मेरा दिमाग तो बस नाले में से गैस और पकौड़ों की दुकान से बेरोजगारी हटाने जैसे शब्दों से अटा पड़ा है। पांडवों से प्यार था उस द्रोणाचार्य को/ हर जगह दिखने से प्यार है इस ड्रोन आचार्य को। अब मंदिर भी जाता हूं तो सिर नहीं झुका पाता हूं, कहीं कोई पीछे से आकर सिर को ऊपर न उठने लगे। सिर झुकाओगे तो बड़ा भैया नाराज हो जाएगा/ पता नहीं खुशहाली और शांति कौन लेकर आएगा?

तीन मर्तबा

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
(छत्तीसगढ़)

निकाह के चंद साल गुजरे थे कि सलमा बेगम और जावेद मियाँ का सम्बंध खराब हो गया। अब वे नाममात्र के मियाँ-बीवी रह गये थे। जावेद के साथ सलमा का गुजारा मुश्किल होने लगा। बात-बात पे जावेद सलमा को मायका चले जाने को कहा करता था। जावेद को बिरादरी वालों भी से कोई खौफ़ नहीं था ; तभी तो घर आये मेहमान अपने साला अजहर मियाँ और खुद की बहन कहकशाँ को बेइज्जती का अहसास कराया था।

आज कहकशाँ बेहद परेशाँ थी। अपने भाईजान जावेद की हरकत उसे बहुत बुरी लगी थी। पहली दफ़ा वह अपने शौहर अजहर मियाँ से खौफ़ खा रही थी ; जबकि उसे हमेशा अजहर पे शक्ले-ख़ुदा दिखती थी। अमन व सुकून भरी ज़िंदगी से खुश कहकशाँ पहली मर्तबा अजहर का तमतमाया चेहरा देख उनसे आँख नहीं मिला पा रही थी , क्योंकि सलमा भाभी के लिए जावेद भाईजान के द्वारा इस्तेमाल तलाक़ के तीन लफ़्ज़ उसके कानों में गूँज़ रही थी ; उसे बेहद परेशान कर रही थी। तभी अजहर मियाँ कहकशाँ के करीब आया। सर पे दुपट्टा चढ़ाया। माथा चूमा। सीने से लगाया। कानों में मुस्कुराते हुए कहा- मुहब्बत...मुहब्बत...मुहब्बत...।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

हमर बोली हमर भाखा

हमर बोली हमर, भाखा हर मान हे
इही म बसे हावे
हमन के सम्मान हे।
छत्तीसगढी भाखा म, बसे ईमान हे
इहिच भाखा म हावे हमर गुमान हे।
इही मीठ भाखा ले हमर चिन्हारी हे
एखरे से हावे ग
हमर पूछ-पुछारी हे।
ए भाखा के महिमा हर बड़-भारी हे
इही म हिरित-पिरित के सँगवारी हे।
ए भाखा म मीठ, निच्चट सुघराई हे
एखरे से हमर
संस्कृति के भलाई हे।
इहिच संस्कृति से,
हमन के बड़ाई हे
इही भाखा म हमर, मीत-मिताई हे।
ए भाखा से हमर,
राज के बढ़वार हे
इही भाखा से
जन-जन के अधार हे।
ए भाखा से मिले,
सब ल उपकार हे
संविधान म ए भाखा ह
अधिकार हे।

अशोक पटेल आशु
मेघा-धमतरी
छत्तीसगढ़.

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

हिम की बूँदें

ठंडी-ठंडी सी पुरवाई,
दस्तक दे चहुँओर।
श्वेत वस्त्र धारण की धरती,
हुई सुहानी भोर।।
दृश्य देख धुँधला-धुँधला सा,
खींचे लंबी श्वास।
ठंड गुलाबी रोम-रोम में,
पल जीवन में खास।।
सूर्य लालिमा तारापथ से,
फैलाती आलोक।
गर्म ताप अरु देह छुए गर,
हम पाते ना रोक।।
सौम्य भरी ये हिम की बूँदें,
करते पत्रक स्नान।
मोती जैसे चमके सारे,
आकर्षित कर ध्यान।।
धरा समाहित हो जाती हैं,
बरसे अंबर शीत।
नई कोपलें विकसित करतीं,
और बढ़ातीं मीत।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कविता

सुबह हुई पंक्षी उठी,
करलव करती जोर।
चले दाने की तलाश,
भावन लगता शोर।।
तुलसी माता पूज्य है,
दूजा वृंदा नाम।
नित्य जो दीप जलाए,
ओ चले देव धाम।।
केवल तरू नही तुलसी,
माता रूप समान।
करती हम सबकी रक्षा,
देती सबको जान।।
सबसे उम्दा लगा है,
गांव मे मेरा गांव।
जहाँ सरगी की धारा,
यहाँ पेड़ की छांव।।
खग कलरव करती बाग,
उड़ान भरती जोर।
बड़ी संमदर लांघती,
कभी न करती शोर।।
जीवन बहुत छोटी है,
यूं जाएगा निकल।
अब प्रेम बाटते चलों,
जीवन होगा सफल।।

लक्ष्मी नारायण सेन
खुरेटरी गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बादलों की सक्रियता के कारण
तापमान में वृद्धि के बावजूद ठिठुरन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा में पिछले कुछ दिनों से न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही थी। इसी के साथ पिछले दो दिनों से पश्चिमी विक्षोभ के कारण आसमान में बादल छाए हुए हैं। इस लिए न्यूनतम तापमान के गिरावट में ब्रेक लग गया है। बादलों की सक्रियता के कारण न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है। इसके बावजूद भी ठंड में कमी नहीं देखी जा रही है। सोमवार को हल्की बारिश होने के कारण ठिठुरन और बढ़ गई है। लोग पूरे दिन गर्म कपड़ों में ही नजर आए। वहीं शाम होते ही लोगों ने अलाव का सहारा लिया और अपने-अपने घरों में ही रहे। वहीं मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट के अनुसार 29 नवंबर के बादलों की सक्रियता हटते ही घने कोहरा के साथ कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। इसके साथ ही तापमान में लगातार गिरावट आने की संभावना है। उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव उत्तरी छत्तीसगढ़ में देखी जा रही है। पिछले दो दिनों से अंबिकापुर सहित सरगुजा संभाग में घने बादल के साथ हल्की बारिश हो रही है। हालांकि बादलों की सक्रियता के कारण न्यूनतम तामान में वृद्धि होने के बावजूद भी ठिठुरन जारी है। सोमवार को पूरे दिन बादल छाए रहने के कारण सूर्य की किरणे नहीं दिखी। इस लिए पूरे दिन लोग गर्म कपड़ों में ही नजर आए। वहीं बादलों की सक्रियता हटते ही न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट की संभावना है। यानी दिसंबर महीने के शुरूआत से ही सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड पडने की आशंका मौसम विभाग द्वारा जारी की गई है। वैसे तो दिवाली से पहले ही शहर में ऊनी कपड़ों का बाजार सज चुका था। शहर में जगह-जगह फुटपाथों पर कंबल, जैकेट, टोपी, मोजा सहित अन्य गर्म कपड़ों का बाजार सज गया था, लेकिन ठंड का असर नहीं होने के कारण धंधा मंदा चल रहा था। अचानक ठंड शुरू होते ही ऊनी व गर्म कपड़ों के बाजार में रौनक आ गई है। लोग गर्म कपड़े खरीदते नजर आ रहे हैं। वहीं शहर के दुकानों में भी गर्म कपड़ों की मांग बढ़ चुकी है। वैसे तो ठंड हेल्दी सीजन माना गया है। पर चिकित्सकों का मानना है कि इस मौसम में बचाव भी जरूरी है। विशेषकर बच्चों व बुजुर्गों को ठंड से बचने की जरूरत है। बच्चों व बुजुर्गों को गर्म कपड़ों में ही रखें। वहीं खाने पीने पर भी ध्यान देने की जरूरत है। ठंडी चीज खाने से अक्सर बच्चे सर्दी-खांसी, बुखार से पीड़ित हो सकते हैं।

रहस्यमई बीमारी से निपटने बनाया गया आइसोलेशन वार्ड

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

एक बार फिर चीन में रहस्यमई बीमारी ने दुनिया को टेंशन में डाल दिया है। पिछले कुछ दिनों से चीन में बच्चें निमोनिया जैसी बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। इसे लेकर डब्ल्यूएचओ ने दुनिया को सावधान रहने की जानकारी दी है। बीमारी को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 14 बेड का आईसोलेशन वार्ड बनाया गया है। मंगलवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या ने बनाए गए अइसोलेशन वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अभी भारत में इस बीमारी की आने की सूचना नहीं है। मंत्रालय के निर्देश पर एतियातन के तौर पर आईसोलशन वार्ड बनाकर तैयार रखा गया है। आतिक आपात स्थिति में निपटने में किसी तरह की कोई परेशानी न हो। आईसोलेशन वार्ड में ऑक्सिजन, वेंटिलेटर सहित अन्य सुविधा उपलब्ध है।

महिला की स्कूटी मंदिर परिसर से चोरी,जुर्म दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र के वनदेवी मंदिर के पास से एक महिला की स्कूटी अज्ञात चोरों ने पार कर दी है। महिला ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार आरती दास सोनपुर असोला की रहने वाली है। वह 24 नवंबर की दोपहर को स्कूटी क्रमांक सीजी 15 डीजे 7691 से घुमने के सेमर घाट की ओर गई थी। वापस आने के दौरान वनेदवी मंदिर में पूजा करने गई थी। वह मंदिर के पास अपनी स्कूटी खड़ी की थी। एक घंटे बाद जब वह घर जाने के लिए मंदिर से बाहर निकली तो स्कूटी नहीं थी। किसी अज्ञात द्वारा चोरी कर ली गई थी। वह मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाजपा कार्यालय के पास विद्युत खंभा में लगी आग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के सत्तीपारा मोहल्ला अंतर्गत भाजपा कार्यालय के पास विद्युत पोल में आग लग जाने से काफी देर तक लोग सहमें रहे। सूचना पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। मंगलवार की शाम 5.30 बजे के लगभग भाजपा कार्यालय के पास विद्युत पोल में आग लग जाने की सूचना पर जिला अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर फायर टीम तुरंत मौके पर पहुंची और अग्निशामक यंत्र का प्रयोग कर कड़ी मशक्त से आग पर काबू पाया गया। इस आगजनी की घटना में किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नही हुई। आग बुझाते दौरान फायर स्टेशन प्रभारी अंजनी तिवारी, फायर चालक पवन गुप्ता, फायरमैन गौरव पाठक, रमेश यादव, सुशील खलखो मौजूद थे।

पास्को एक्ट आरोपी सैयद् मो. रजा पर 5000 का नगद इनाम

- संवाददाता -
सुरजपुर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

एक्ट एवं पास्को एक्ट की धारा 08 के प्रकरण में कथित आरोपी सैयद् मो. रजा पिता मासूम रजा उम्र 31 वर्ष निवासी कुंजनगर, थाना जयनगर, जिला सूरजपुर के द्वारा नाबालिक बालिका से छेड़छाड़ की घटना घटित कर फरार चल रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सूरजपुर के द्वारा 5000/- रूपये का नगद इनाम उदघोषणा की गई है। जो कोई उक्त आरोपी को गिरफ्तार करेगा या गिरफ्तारी करवाने में पुलिस को सूचना देगा उसे उक्त राशि से पुरस्कृत किया जावेगा। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जावेगा। निम्न नंबर पर सूचना दी जा सकती है।डीएसपी अजाक सूरजपुर 94791-93908, थाना प्रभारी अजाक सूरजपुर 94791-93911, पुलिस कन्ट्रोल रूम सूरजपुर 94791-93999

निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न होगी मतगणना प्रक्रिया:कलेक्टर

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

- मतगणना हॉल में मोबाईल एवं इलेक्ट्रानिक उपकरण ले जाना रहेगा पूर्णतः प्रतिबंधित
- प्रत्येक विधानसभा मतगणना के लिए 14-14 टेबल, डाक मतपत्र के लिए भी लगेंगे अलग टेबल
- स्ट्रांग रूमों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु किए गये उपायों की भी दी जानकारी
- पॉलीटेक्निक कॉलेज स्थित मतगणना हॉल, स्ट्रांग रूम का किया गया निरीक्षण,
- समस्त विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थी और उनके अभिकर्ताओं को मतगणना प्रक्रिया की दी गई विस्तृत जानकारी

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार ने जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने सभी विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थी और उनके अभिकर्ताओं को मतगणना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर कुन्दन की उपस्थिति में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थी एवं उनके अभिकर्ताओं को मतगणना प्रक्रिया और इसके बेहतर संचालन हेतु प्रशासन की तैयारियों को जानकारी दी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन की मतगणना शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज अम्बिकापुर में की जाएगी। मतगणना स्थल में 3 दिसम्बर 2023 को राजनैतिक दलों को गेट नंबर 02 आईटीआई गेट से प्रवेश किया जायेगा। मतगणना स्थल से 100 मीटर की दूरी तक बैरिकेडिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विधानसभा मतगणना के लिए ईवीएम मतगणना हेतु 14-14 टेबल लगाए जाएंगे। डाक मतपत्र की गणना के लिए भी अलग टेबल लगाए जायेंगे। जिसमें लुण्ड्रा विधानसभा हेतु 2 टेबल, सीतापुर विधानसभा हेतु 3 टेबल और अम्बिकापुर विधानसभा हेतु 4 टेबल लगाए जायेंगे। इस तरह विधानसभा लुण्ड्रा में 16 टेबल, सीतापुर विधानसभा में 17 टेबल और अम्बिकापुर विधानसभा में मतगणना के लिए 18 टेबल लगाए जाएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में 4100 से ज्यादा डाक मतपत्र अब तक प्राप्त हुए हैं। विधानसभा निर्वाचन मतगणना के लिए टेबलवार अभिकर्ता की नियुक्ति की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी एवं निर्वाचन अभिकर्ता की उपस्थिति में सुबह 6.30 बजे स्ट्रांग रूम खोला जाएगा। सभी विधानसभा निर्वाचन हेतु मतगणना कार्य संपन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग से प्रेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

स्ट्रांग रूम, मतगणना हॉल और मीडिया कक्ष का किया निरीक्षण

कलेक्टर कुन्दन द्वारा अभ्यर्थी एवं अभिकर्ताओं के साथ बैठक के पश्चात शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज स्थित मतगणना स्थल, स्ट्रांग रूम और मीडिया सेंटर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मतगणना प्रक्रियाओं एवं उसे सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु किए जाने वाले व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मतगणना प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाने एवं ईव्हीएम तथा स्ट्रांग रूम की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु किए गये उपायों की भी जानकारी दी। मतगणना हॉल में मोबाईल एवं इलेक्ट्रानिक गैजेट का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना स्थल पर अधिकारी-कर्मचारियों तथा उम्मीदवारों एवं उनके अभिकर्ताओं के प्रवेश हेतु अलग-अलग रास्ता बनाया गया है। उन्होंने अभ्यथियों एवं उनके गणना अभिकर्ताओं को मतगणना के दिन निर्धारित समय से पहले पहुंचने को कहा। कलेक्टर ने मतगणना हॉल में प्रवेश हेतु अधिकृत व्यक्तियों की जानकारी हेतु एवं गणना अभिकर्ताओं की अधिकतम संख्या तथा उनके योग्यता के संबंध में भी जानकारी दी। कलेक्टर ने कहा कि गणना अभिकर्ता नियुक्ति के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया के पालन के साथ यह भी ध्यान रखें कि अभिकर्ता को मतगणना प्रक्रिया और नियमों की भलीभांति जानकारी हो, जिससे शांतिपूर्ण मतगणना प्रक्रिया संचालित हो सके। इस दौरान उन्होंने मीडिया कक्ष का भी निरीक्षण किया और बैठक व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान उपजिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक, रिटर्निंग अधिकारी अम्बिकापुर पूजा बंसल, रिटर्निंग अधिकारी सीतापुर रवि राही, सहायक रिटर्निंग अधिकारी नीरज कौशिक, अभ्यर्थी एवं अभिकर्ता उपस्थित रहे।

निर्वाचन कर्मियों की मृत्यु या घायल होने पर अनुग्रह प्रतिकर भुगतान सम्बन्धी प्रस्ताव भेजने पत्र हुआ जारी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी ने सर्वसम्बन्धितों को पत्र जारी कर विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 के दौरान निर्वाचन कर्तव्य के दौरान निर्वाचन कर्मियों की मृत्यु या घायल होने पर अनुग्रह प्रतिकर भुगतान संबंधी प्रस्ताव भेजने कहा है। जारी पत्र में प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रस्ताव के दस्तावेजों को निर्धारित क्रम तथा प्रारूप में अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित करने कहा गया है। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन कार्य में नियोजित अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियो आदि का निर्वाचन कर्तव्य के दौरान मृत्यु या घायल होने पर छत्तीसगढ़ राज्य अनुग्रह प्रतिकर भुगतान नियम के तहत अनुग्रह राशि प्रदान की जाती है।

मतगणना को लेकर अब उल्टी गिनती शुरू,3 दिसंबर को मतगणना

- स्ट्रांग रूम के बाहर कांग्रेस ,भाजपा ने लगा दिया पंडाल
- प्रत्याशी से लेकर संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जीत का कर रहे हैं दावा

- संवाददाता -
सूरजपुर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव के बाद मतगणना को लेकर अब उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 3 दिसंबर को मतगणना होगी। ऐसे में 5 दिन ही शेष रहे गए हैं। बता दें कि चुनाव के बाद से दोनों ही प्रमुख राष्ट्रीय पार्टी प्रदेश में बहुमत के साथ सरकार बनाने का दावा कर रही हैं। हालाकि चुनाव के बाद भी वोटरों की चुप्पी प्रत्याशियों की धड़कनें बढ़ा दी है। जिले के अंतर्गत आने वाले तीनों विधानसभा के ईवीएम मशीनों को ग्राम पंचायत पर्री स्थित स्ट्रांग रूम में रखा गया है। इसकी निगरानी के लिए कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता जुटे हुए है। कांग्रेस ,भाजपा ने तो बकायदा स्ट्रांग रूम के बाहर पंडाल लगा दिया है और दिन-रात चौकसी की जा रही है।

शहर से लेकर गांवों की चौपालों में चर्चा

प्रत्याशी से लेकर संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जीत का दावा कर रहे हैं। इस बीच शहर से लेकर गांवों में भी अब चर्चा का दौर भी तेज होने लगा है। प्रत्याशियों के हार-जीत को लेकर दांव भी लगाए जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा मतगणना को लेकर पूरी तैयारी कर ली गई। अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

किस्मत ईवीएम में कैद

प्रदेश में कुल 90 विधानसभा सीटें हैं। पहले चरण का चुनाव 7 नवंबर को 20 सीटों के लिए हुई। वहीं दूसरे चरण में 70 सीटों के लिए मतदान हुआ। ऐसे में प्रदेश में कब्जा जमाने के लिए 46 सीटों पर विजयी पताका लहराने की जरूरत है। बता दें कि सूरजपुर जिले के तीनों विधानसभा सीटों के लिए 42 प्रत्याशी मैदान में उतरे थे। इन प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है।

मतगणना को लेकर तैयारी पूरी

मतदान के बाद ईवीएम व वीवी पैट मशीनों को पर्री स्थित स्ट्रांग रूम में रखा गया है। यहां तीन लेयर में सुरक्षा घेरा तैनात है। वहीं सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय पार्टियों द्वारा संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की भी ड्यूटी लगाई गई है। स्ट्रांग रूम के सामने कांग्रेस व भाजपा का पंडाल नजर आ रहा है।

धार्मिक स्थलों की यात्रा कर लौट रहे

मतगणना की नजदीकी के साथ ही कुछ प्रत्याशी अपनी जीत के लिए दुआ मांगने धार्मिक स्थलों में पहुंच रहे हैं। धार्मिक यात्राओं का दौर चल रहा है। वहीं मतदान की नजदीकी के साथ प्रत्याशी यात्रा कर अब लौटने भी लगे हैं और सीधे कार्यकर्ताओं से रूबरू हो रहे हैं। कार्यकर्ताओं की ओर से जीत का भरोसा दिलाया जा रहा है।

CMYK

गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में इमरान को राहत

नहीं,अदियाला जेल में ही चलता रहेगा मुकदमा

नई दिल्ली,28 नवम्बर 2023 । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में मंगलवार को एक विशेष अदालत ने इमरान के खिलाफ मुकदमा जेल में ही जारी रखने का फैसला किया है। गौरतलब है कि इमरान की सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अधिकारियों ने उन्हें सामान्य अदालत में होने वाली सुनवाई के लिए पेश नहीं किया था।

बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान दो महीने से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। पिछले हफ्ते तक उनके खिलाफ जेल में ही सुनवाई चल रही थी। हालांकि, इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते इस तरह की कार्रवाई को अनुचित करार दिया था और उन्हें पेश करने को लेकर सख्त टिप्पणी की थी।

विशेष अदालत के न्यायाधीश ने मंगलवार को इस्लामाबाद स्थित फेडरल ज्यूडीशियल कॉम्प्लेक्स में सुनवाई की अध्यक्षता की। सुरक्षा कारणों से अधिकारियों ने एक बार फिर इमरान को सुनवाई के लिए पेश नहीं किया, जबकि इससे पहले अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को मामले में सुनवाई के लिए फेडरल ज्यूडीशियल कॉम्प्लैक्स में पेश किया जाए। इमरान के साथ-साथ कुरैशी को भी गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में गिरफ्तार किया गया था और वह भी अदियाला जेल में बंद हैं। दोनों ने खुद को निर्दोष बताया है। मामले की अगली सुनवाई एक दिसंबर को होगी।

लंदन के डिप्टी मेयर ने पद छोड़ा, आम चुनाव में लीसेस्टर से होंगे लेबर पार्टी के उम्मीदवार

लंदन के भारतीय मूल के डिप्टी मेयर राजेश अग्रवाल लीसेस्टर शहर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं, वे अगले आम चुनाव में संसद सदस्य चुने जाने के लिए चुनाव लड़ेंगे।

इंदौर में जन्मे 46 वर्षीय उद्यमी व राजनेता को हाल ही में अगले साल संभावित चुनाव के लिए लीसेस्टर ईस्ट के निर्वाचन क्षेत्र से लेबर पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुना गया है। उन्होंने ब्रिटेन की राजधानी की व्यापार और निवेश नीतियों के प्रभारी मेयर सादिक खान की टीम में दो कार्यकाल पूरा करने के बाद सोमवार शाम को सोशल मीडिया पर लंदन के मेयर के कार्यालय से अपनी विदाई की घोषणा की।

उन्होंने कहा, ÷लेबर पार्टी के संसदीय उम्मीदवार के रूप में मेरे हालिया चयन और

सावधानीपूर्वक विचार के बाद, मैंने लीसेस्टर ईस्ट में प्रचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए लंदन के डिप्टी मेयर के रूप में पद छोड़ने का कठिन निर्णय लिया है।÷

अग्रवाल ने कहा, पिछले साढ़े सात साल से डिप्टी मेयर के रूप में लंदनवासियों की सेवा करना वास्तव में सम्मान और सौभाग्य की बात है और मैंने अपना सब कुछ झोंक दिया है। उन्होंने कहा, ÷इस देश ने मुझे मौका दिया और कड़ी मेहनत और लगन से मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मुझे एक बार नहीं, बल्कि दो बार लंदन के डिप्टी मेयर के रूप में सेवा करने का सौभाग्य मिलेगा। इसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।

बीस दिन के भीतर दोबारा पार्टी के अंतर-चुनाव कराने पर पीटीआई सहमत

पीटीआई चुनाव आयोग द्वारा तय बीस दिन की समय सीमा के भीतर के पार्टी के अंदर दोबारा चुनाव कराने पर सहमत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।पीटीआई की कोर कमेटी का यह फैसला पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के उस निर्णय के कुछ दिन बाद आया है, जिसमें उसने कहा था कि पार्टी के भीतर होने वाले चुनाव पारदर्शी नहीं हैं और अगर पार्टी अपना चुनाव चिह्न (बल्ला) बरकरार रखना चाहती है तो उसे नए चुनाव कराने होंगे।

ईसीपी ने 23 नवंबर को एक फैसले में पार्टी को 20 दिनों के भीतर नए सिरे से चुनाव कराने के लिए कहा था। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव होने हैं। फैसले में ईसीपी ने कहा कि पीटीआई स्वतंत्र और निष्पक्ष अंतर-पार्टी चुनाव कराने में विफल रही। यह चुनाव आपत्तिजनक और विवादास्पद थे। पीटीआई के पार्टी के भीतर चुनाव स्वीकार नहीं किए जा सकते।

अदालत ने उसे चुनाव कराने और सात दिनों के भीतर रिकॉर्ड जमा करने का निर्देश दिया। पार्टी के केंद्रीय मीडिया विभाग ने कहा कि उसके सदस्यों ने कोर कमेटी की बैठक के दौरान देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल, पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों, पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ चल रहे व्यवहार और पार्टी के भीतर चुनावों सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में इमरान खान की अदालत में पेशी के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग भी दोहराई गई।

गोलीबारी में कॉलेज की दो छात्राएं गंभीर रूप से घायल

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अज्ञात कार सवारों ने कॉलेज की दो छात्राओं की बस पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। हालांकि, घटना में बिछड़े प्रेमी की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्राथमिकी के मुताबिक, पटतोकी जिले के पंजाब कॉलेज की 20 से अधिक छात्राएं सोमवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की यात्रा पर जा रही थीं। पटतोकी जिला प्रांतीय राजधानी लाहौर से करीब 80 किलोमीटर दूर है। इसमें कहा गया, जैसे ही लड़कियों की बस ने (पाकिस्तान के कब्जे वाले) कश्मीर के रास्ते में लाहौर (पटतोकी से) में प्रवेश किया, एक कार ने उसका पीछा किया। कार सवारों ने बस पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिससे दो छात्राएं घायल हो गईं। हालांकि, अन्य लड़कियां सुरक्षित हैं।

युद्ध विराम का चौथा दिन,33 फलस्तीनी नागरिकों की रिहाई के बदले हमास ने 11 बंधकों को छोड़ा

यरुशलम, 28 नवम्बर 2023। इस्राइल और हमास के बीच युद्धविराम के चौथे दिन 11 इस्राइली बंधकों की रिहाई हुई। इस्राइल सुरक्षा बल ने रेडक्रॉस के सामने बंधकों की रिहाई की पुष्टि की। बता दें, इस्राइल और हमास के बीच बंधकों की रिहाई के लिए समझौता हुआ है। समझौते के तहत इस्राइल जेल में बंद फलस्तीनी लोगों को छोड़ेगा, जिसके बदले हमास इस्राइली बंधकों को रिहा करेगा।

कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने बताया कि युद्धविराम के चौथे दिन इस्राइल ने 33 फलस्तीनी लोगों को रिहा किया, जिसके बदले हमास ने 11 इस्राइली बंधकों को अपनी कैद से मुक्त कर दिया। 52 दिन बाद 11 इस्राइली नागरिक अपने परिवार से मिलेंगे। पांच परिवार ने 11 बंधकों की पहचान की है।

इन परिवार के लोगों की हुई रिहाई

क्यूनियो परिवार:- शेरोन अलोनी क्यूनियो (33), एम्मा क्यूनियो (3) और यूली क्यूनियो (3) रिहा हो गए हैं। वहीं, एम्मा-यूली के पिता डेविड

क्यूनियो अभी भी हमास की कैद में हैं।

एंगेल परिवार:करीना एंगेल-बार्ट (51), मिका एंगेल (18), युवल एंगेल (10) रिहा हो गए हैं। मिका और युवल के पिता रोनेल एंगेल अब भी बंधक हैं।

काल्डेरोन परिवार: सहर काल्डेरोन (16) और एरेज काल्डेरोन (12) रिहा हो गए हैं। इनके पिता ओफर काल्डेरन भी फिलहाल बंधक हैं।

याकोव परिवार: ओर याकोव (16) और यागिल याकोव (12) रिहा हो गए। इनके पिता यायर याकोव और उनकी प्रेमिका मीराव ताल हमास की कैद में हैं।

याहलोमी परिवार: एइता याहलोमी (12) रिहा हुई हैं। इनके पिता ओहद याहलोमी को आतंकियों ने अब भी बंधक बनाया हुआ है।

अमेरिका में बंधकों की रिहाई के लिए प्रदर्शन

इधर, अमेरिकी बंधक नागरिकों के परिजनों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर दबाव बनाने के लिए अमेरिकी रेड क्रॉस राष्ट्रीय मुख्यालय के बाहर इकट्ठा हुए। परिजनों ने प्रदर्शन किया और मांग की कि जल्द उनके परिवार के सदस्यों की रिहाई हो।

नागरिकों पर हमले रुकने चाहिए

अमेरिका के बोअज अत्जिली ने बताया कि उनके चचेरे भाई अवीव अत्जिली और उनकी पत्नी लियात को आतंकियों ने बंधक बना लिया है। उन्होंने आगे कहा कि आतंकी कोई भी हो चाहे वह लश्कर-ए-तैयबा हो या हमास नागरिकों पर हमले नहीं होने चाहिए। नागरिकों के खिलाफ हो रहे हमले के लिए हमें एकजुट होना चाहिए। मैं सिर्फ हमास-इस्राइल के संदर्भ में बात नहीं कर रहा। यह मानवता का विषय है। फिर चाहे वह किसी भी देश का हो या किसी भी मजहब का।

भारत में देव दीपावली तो थाईलैंड में मनाया गया लोई क्रथोंग,तस्वीरों में देखें रोशनी का पर्व

नई दिल्ली, 28 नवम्बर 2023। देशभर में कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली की धूम रही। नदी किनारे घाट दीपों से जगमगाते देखे गए। इसी तरह थाईलैंड भी लोय क्रथोंग को मनाता है, जिसे थाईलैंड के नदी पर रोशनी के त्योहार के रूप में जाना जाता है।

पूरे नवंबर में, दो महत्वपूर्ण और पारंपरिक त्योहार, यी पेंग और लोय क्रथोंग , पूरे थाईलैंड में मनाए जाते हैं । एक पानी पर होता है और दूसरा हवा में। यह त्योहार थाईलैंड के सुखुमवित में मनाया जा रहा है।

थाई लोगों का मानना है कि इस त्योहार की उत्पत्ति जल आत्माओं के सम्मान में एक पुराने ब्राह्मण त्योहार से हुई है। बाद में बुद्ध को सम्मान देने के लिए इसे थाईलैंड में अपनाया गया।

क्या है लोय क्रैथोंग?

क्रैथोंग शब्द का तात्पर्य एक छोटे बर्तन या टोकरी से है, और लोय का अर्थ है तैरना। लोग झीलों, नदियों और अन्य जल निकायों में इकट्ठा होते हैं और फूलों से सजाए गए कार्डबोर्ड पर

मोमबत्तियां और अगरबत्तियां रखते हैं और चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद उन्हें पानी में प्रवाहित करते हैं।

थाईलैंड में रहने वाले भारतीय योग प्रशिक्षक संजीब चतुर्वेदी ने बताया कि कार्तिक माह में देवदिवाली के हमारे उत्सव के समान, थाई लोग देव दिवाली मनाते हैं, जिसे लोय क्रथॉन्ग के नाम से जाना जाता है।

क्या हैं इस त्यौहार के मायने?

वे जश्न मनाने, प्रार्थना करने और खुशहाली की कामना करने के लिए एक साथ आते हैं। उन्होंने कहा, थायस तालाबों में दीये जलाते हैं और खुशी से इस त्योहार को मनाते हैं।

पारंपरिक पोशाक में सजी एक थाई लड़की डायर ने बताया कि पूर्णिमा के दिन, वे जल देवता का जश्न मनाते हैं, अपनी गलतियों के लिए माफी मांगते हैं और उनकी भलाई के लिए प्रार्थना करते हैं।

एक अन्य लड़की ने उल्लेख किया कि यह अनुष्ठान उन्हें बुराइयों से छुटकारा पाने और उनके ग्रहदशा से बुरे प्रभावों को खत्म करने में मदद करता है। प्रमुख स्थानों पर शिव, पार्वती, गणेश और इंद्र जैसे देवताओं की मूर्तियां स्थापित की जाती हैं, जहां लोग गहरी श्रद्धा रखते हैं और स्वच्छता बनाए रखते हैं।

संस्कृति से समृद्ध थाईलैंड के लोग ईश्वर में आस्था रखते हैं। हर कार्यस्थल और घर में भगवान गणेश और विष्णु की मूर्ति होती है। वे भारत की तरह देवताओं की पूजा करते हैं, जिनमें ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश और बुद्ध शामिल हैं।

जॉन किर्बी बोले-युद्धविराम से हमास को हो सकता है फायदा,अमेरिकी बंधकों की रिहाई की जताई उम्मीद

वाशिंगटन, 28 नवम्बर 2023 । इस्राइल और हमास के बीच भारी युद्ध के बाद थोड़ी राहत है। हमास और इस्राइल के बीच युद्धविराम है। फलस्तीनी नागरिकों की रिहाई के बदले हमास इस्राइली बंधकों को रिहा कर रहा है। इस बीच अमेरिका का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि अब अगली रिहाई में अमेरिकी बंधक भी शामिल हो सकते हैं। बता दें, सात अक्तूबर को हमास के हमले के बाद से चार दिन पहले तक इस्राइल और हमास के बीच युद्ध चल रहा था। युद्ध में अब तक 15 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

युद्ध विराम को बताया जोखिम

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि गाजा में युद्ध विराम से हमास को फायदा हो सकता है। हमास के आंतकियों ने गाजा में मानवीय विराम के विस्तार का स्वागत किया है। यह एक जोखिम भी हो सकता है। इसके अलावा, किर्बी ने उम्मीद जताई है कि अगले दो दिनों में रिहा होने वाले 20 बंधकों में अमेरिकी नागरिक भी शामिल हो सकते हैं। हमास ने करीब आठ-नौ अमेरिकी नागरिकों को भी बंधक बनाया हुआ है।

युद्ध विराम आगे बढ़ाने के लिए सहमति

इस्राइल-हमास के बीच मध्यस्थता की भूमिक निभा रहे कतर ने कहा कि दोनों ने युद्ध विराम को बढ़ाने के लिए सहमति जताई है। इस दौरान बंधकों की रिहाई संभव है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने कहा कि गाजा में मानवीय संघर्ष को दो दिन और बढ़ाने के लिए सहमति बनी है। इस्राइली मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कतर की घोषणा का मतलब है कि कम से कम दस और इस्राइली बंधकों को मंगलवार (पश्चिम एशिया के स्थानीय समय के मुताबिक) रिहा किया जाएगा। अन्य दस बंधकों को बुधवार को रिहा किया जाएगा। इसी के साथ हर दिन इस्राइल 30 फलिस्तीनी कैदियों को भी रिहा करेगा।

अब तक 50 से ज्यादा बंधक ही रिहा

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि उन्होंने सोमवार को रिहा किए गए बंधकों की जानकारी उनके परिजनों को दे दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चार दिन के युद्ध विराम के दौरान इस्राइल ने 117 फलस्तीनी बंधकों को रिहा किया। इसके बदले हमास ने 58 बंधकों को रिहा किया।

अब तक 15 हजार से अधिक लोगों की मौत

बता दें कि इस्राइल और हमास का हिंसक संघर्ष बीते सात अक्तूबर को शुरू हुआ था। इस लड़ाई में अब तक 15 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। हमास के आतंकी हमलों के जवाब में इस्राइली डिफेंस फोर्स गाजा के आतंकी ठिकानों पर लगातार हमले कर रही है। हमास के कब्जे वाले गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि अब तक 12 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। दूसरी तरफ इस्राइली पक्ष में 1200 लोगों की मौत हुई है।

महिला के भारतीय लहजे की नकल पर पुलिसकर्मी कदाचार का दोषी; फैसले से पहले ही दे दिया था इस्तीफा

लंदन, 28 नवम्बर 2023। उत्तरी इंग्लैंड के पुलिसकर्मी पैट्रिक हैरिसन को अनुशासनात्मक न्यायाधिकरण ने घोर कदाचार का दोषी पाया है। उसने एक महिला 'एसए' के भारतीय लहजे की नकल की थी। उसने नवंबर 2022 में घृणा अपराध की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए वेस्ट यॉर्कशायर पुलिस कॉल सेंटर को फोन किया था। हैरिसन ने कदाचार पैनल के फैसले से पहले इस्तीफा दे दिया था।

पैनल ने कहा कि यदि वह इस्तीफा न देता तो उसे बर्खास्त कर देते। पैनल ने कहा कि महिला से फोन वार्ता के बाद हैरिसन ने महिला के इस्तेमाल किए गए कुछ वाक्यांशों की नकल की। महिला ने इन टिप्पणियों को सुना व इस्लामोफोबिया निगरानी समूह (टेल मामा) को मामले की सूचना दी।

महिला की जाति के चलते भेदभाव किया

पैनल अध्यक्ष कैथरीन वुड ने कहा कि महिला के साथ उसकी जाति के कारण भेदभाव किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस के भीतर नस्लवाद और इस्लामोफोबिया राष्ट्रीय चिंता के मुद्दे हैं।

आगामी जलवायु शिखर सम्मेलन में बयानबाजी नहीं,ठोस कार्रवाई पर जोर दिया जाए,निर्मला सीतारमण की दो टूक

दुबई, 28 नवम्बर 2023। जलवायु शिखर सम्मेलन में भारत अपनी शक्ति दिखाएगा। हम वैश्विक मंच में दिखाएंगे कि हमने अपने स्वंय के धन से क्या-क्या हासिल किया है। यह कहना है भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का। वित्त मंत्री ने शिखर सम्मेलन में जलवायु फंडिंग और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर ठोस कार्रवाई का आह्वान किया। बता दें, वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता तीन नवंबर से 12 दिसबंर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन का 28वां आयोजन है।

संघ की आलोचना की

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को इंडिया ग्लोबल फोरम मिडिल ईस्ट एंड अफ्रीका-2023 के उद्घाटन समारोह में वर्चुअली शामिल हुई। यहां उन्होंने कहा कि सीओपी-28 को दिशा दिखानी चाहिए। सम्मेलन में जलवायु फंडिंग और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है। हम दुनिया को दिखाएंगे कि हमने खुद के धन से ही क्या-क्या हासिल कर लिया है। उन्होंने संघ की आलोचना करते हुए कहा कि पेरिस प्रतिबद्धता को लेकर हम गंभीर हैं। हमने सौ अरब रुपये का इंतजार नहीं किया। हमने अपनी योजनाओं को खुद फंड किया। बातें तो खूब हुईं लेकिन वह सौ अरब रुपये अब तक नहीं मिल पाए। हमें अभी तक नहीं बताया गया कि प्रौद्योगिकी को स्थानांतरित कैसे किया जाए। कैसे तकनीक का इस्तेमाल किया जाए। बातों की जगह सीओपी-28 को दिशा दिखाने की आवश्यकता है।

स्वंय की फंडिंग विकासशील देशों के लिए चुनौती

सीतारमण ने आगे कहा कि विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए स्वयं की फंडिंग बड़ी चुनौती है। मुझे लगता है कि इस पर काफी बात हो सकती है। लेकिन असल चीज है तकनीक का हस्तांतरण और फंडिंग। इन दोनों मुद्दों पर अब बातें नहीं कार्रवाई होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वंय की फंडिंग विकासशील देशों के लिए चुनौतियां लेकर आती हैं। बावजूद इसके, मैं सुनिश्चित करती हूं यह चुनौतियां भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कॉरिडोर को प्रभावित नहीं करेगा। यह एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण है। यह दीर्घकालिक परियोजना है। परियोजन सिर्फ किसी एक तनाव पर निर्भर नहीं हो सकता। बता दें, नई दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन भारत ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के खिलाफ भारत-मध्यपूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किया था। नए आर्थिक गलियारे में भारत, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरत, सऊदी अरब, इटली और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इससे एशिया, पश्चिम एशिया, मध्यपूर्व और यूरोप के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे।

सम्मेलन में पीएम मोदी भी होंगे शामिल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने 30 नवंबर व एक दिसंबर को दुबई की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। उन्हें संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने निमंत्रण दिया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, शिखर सम्मेलन जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के 28वें सम्मेलन (कॉप-28) का उच्च-स्तरीय प्रारूप है। कॉप-28 संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता में 28 नवंबर से 12 दिसंबर तक दुबई में हो रहा है।

CMYK

लाखों खर्च कर एक खूबसूरत जगह देखरेख के अभाव में अपनी बदहाली पर बहा रहा है आंसू

विभाग की उदासीनता की वजह से सोनहत वॉच टॉवर व पिकनिक स्पॉट हुआ बदहाल!

सोनहत वॉच टॉवर पिकनिक स्पॉट पर जगह-जगह शराब की बोतल व कांच के टूकड़े बिखरे,झूले व बैटरी की चोरी

-रवि सिंह-
कोरिया,28 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

वन विभाग कई बार वन की सुरक्षा को छोड़ निर्माण पर ज्यादा दिलचस्पी दिखाता है पर दिलचस्पी के दौरान भी कुछ ऐसे काम हो जाते हैं जो लोगों के लिए उपयोगी होते हैं कुछ ऐसा ही सोनहत कटगोड़ी स्टेट हाईवे के किनारे बने वॉच टॉवर को वन विभाग ने पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित किया था लेकिन यहां जगह-जगह शराब की बोतल व कांच के टूकड़े बिखरे पड़े हैं। शराबखोरी के साथ यहां चार महीने के भीतर दो बार चोरी की घटना सामने आई है। बीते सोमवार को चोर यहां सोलर पैनल में लगे बैटरी, सोलर लाइट के प्लेट व झूले की जंजीर को चोरी कर ले गए। विभाग ने जिसे खूबसूरत नजर में तब्दील किया था वहीं

अब देखते क्या भाव में बदहाली में तब्दील हो चला है।

ज्ञात होगी वॉच टॉवर के आसपास बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले और नॉलेज के लिए जंगल में पंजे से जानवरों के पहचान की जानकारी दी गई है। टॉवर की ऊंचाई से गेज डैम का सुंदर नजारा दिखाई देता है। दरअसल सोनहत कटगोड़ी पहाड़ पर करीब 400 फीट ऊंचाई पर वॉच टॉवर का निर्माण जंगल में आगजनी को रोकने के लिए किया गया था। बाद में यहां वन विभाग ने इस स्थल को बच्चों के मनोरंजन के साथ ही पिकनिक स्पॉट के लिए रूप में विकसित किया। साथ ही कैंटीन शुरू करवाया गया था लेकिन सुरक्षा में लापरवाही बरती जाने के कारण यह स्थल शराबखोरी व असमाजिक तत्वों का ढेरा बन गया। जगह-जगह शराब की खाली बोतल, डिस्पोजल के साथ बोटल फूटे पड़े हैं। स्थिति यह है कि अब यहां पर शरीफ लोग जाने से भी कतराते हैं क्योंकि आज सामाजिक तथ्यों का जमावड़ा भी कभी-कभी यहां पर देखने को मिलता है वन समिति सीतापुर के द्वारा इस जगह की देखरेख की जा रही है पर रात में देखरेख व सुरक्षा के लिए यहां कोई नहीं रहता।

56 साल के बुजुर्ग को निगरानी की जिम्मेदारी

वन विभाग ने जंगल में होने वाले आगजनी व पार्क स्थल की देखरेख की जिम्मेदारी 56 साल के बुजुर्ग गार्ड के भरोसे छोड़ दी है। कटगोड़ी घाट के नीचे छरछा बस्ती से बुजुर्ग रोजाना सुबह 10 से शाम 5 बजे तक यहां निगरानी करते हैं इसके बाद स्थल शराबखोरी व नशेड़ियों का अड्डा बन जाता है।

अगस्त महीने में भी हुई थी चोरी

स्थल की देखरेख करने वाले सुरक्षा कर्मी अमर सिंह ने कहा कि अगस्त महीने में भी यहां चोरी बैठने के लिए लगे चेयर व अन्य सामान की चोरी कर ले गए थे। बीते 20 नवंबर को भी यहां चोरी हुई। चोर सोलर पैनल में लगे बैटरी, सोलर लाइट के प्लेट, झूले की जंजीर चोरी कर ले गए। सुरक्षा कर्मी ने बताया कि असमाजिक तत्व रात के समय वॉच टॉवर के ऊपर आग तक लगा देते हैं।

मामले की जानकारी लेकर करेंगे कार्रवाई

थाना प्रभारी सोनहत नितिन तिवारी ने कहा कि वन विभाग की ओर से शिकायत दर्ज नहीं हुई है, मामले की जानकारी वन अधिकारियों से लेंगे। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मौसम का बदला मिजाज,छत्तीसगढ़ में सबसे ठंडा जिला कोरिया का तापमान में आई गिरावट,पारा पहुंचा 11 डिग्री

ठंड की दस्तक मौसम वैज्ञानिक कह रहे बारिश के बाद अब कड़ाके की ठंड पड़ने के असर
बेमौसम बारिश से किसानो की भी बढ़ी समस्या तैयार फसल भींगने का खतरा

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,28 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

ठंड का मौसम आ चुका है पर ठंड में थोड़ी देरी देखी जा रही थी पर अचानक मौसम के बदले मिजाज ने ठंड अधिक पढ़ने की संभावना बढ़ा दी है, बे मौसम बारिश ने किसानों की भी चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि धान की तैयार फसल कहीं कट के खेतो में पढ़ा है तो कहीं खेतों में खड़ा है पर अचानक मौसम बदलने से किसान जल्दी-जल्दी कटाई कर रहे हैं और काट के तुरंत बारिश से बचने तुरंत सुरक्षित जगह पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं, किसान नहीं चाह रहे हैं कि उनका तैयार धान की फसल खराब हो जाए, वही जिले में ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। वैसे नवंबर महीने से ठंड की शुरुआत मानी जाती है लेकिन अंतिम महीने यानी की 28 नवंबर तक जिले का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक पहुंच चुका है। वहीं दिन का तापमान 26 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अब तीन से चार दिन ऐसा ही मौसम रहेगा।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से जिले में मंगलवार सुबह 9 बजे से हल्की बारिश हो रही है। बारिश से ठंड का असर तेज हो गया। बाजार में गरम कपड़ों की बिक्री तेज हो गई है। मंगलवार को जिले के न्यूनतम तापमान में दो डिग्री और गिरावट की गई है। दो दिन पहले जिले में न्यनूतम तापमान 10 डिग्री दर्ज किया गया है।प्रदेश में उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी बर्फीली हवा अपना असर दिखा रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगे बादल छंटने के बाद ठंड का असर तेज होगा। सरगुजा संभाग के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के आसपास है। वनांचल बलरामपुर में तापमान 14 पहुंच गया है। जबकि कोरिया व एम.सी.बी. जिले में तापमान 11 डिग्री तक दर्ज किया जा रहा है। शाम ढलते ही ठंड का असर तेज हो रहा है। ओस की बूंदे और कोहरा छाने लगी है। मौसम विज्ञान विभाग का कहना है बीते दो दिन से जिले में मौसम ऐसा ही बने रहने का अनुमान है। बारिश से खेत खलिहान में रखे धान की फसल को नुकसान होने का अनुमान है। बारिश से खरीदी केंद्रों में खुले में रखे धान की फसल को भी नुकसान पहुंच सकता है।

बारिश के बाद ठंड बढ़ने का अनुमान

कृषि मौसम वैज्ञानिक पीआर बोबड़े पवार ने कहा कि जिले का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक पहुंच चुका है। बारिश के बाद आगे ठंड बढ़ने का अनुमान है। बादल छंटने के साथ ठंड का असर तेज होगा। तापमान में गिरावट हो सकती है इससे सर्दी असर अब तेज होगा। धान की फसल को नुकसान होने की संभावना है।

सिख एवं सिंध समाज के द्वारा धूमधाम से मनाया गया गुरु नानक जयंती का पर्व

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,28 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

गुरु नानक जयंती सिख एवं सिंध समुदाय के लोगों का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पर्व गुरु नानक देव जी के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। कहा जाता है कि कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर गुरु नानक देव जी का जन्म हुआ था। इस साल कार्तिक पूर्णिमा 27 नवंबर को है, इसलिए 27 नवंबर को ही सिख धर्म के पहले गुरु, गुरु नानक देव जी जयंती मनाई गई। गुरु नानक देव की जयंती को गुरु पर्व और प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस दिन सिख एवं सिंध समाज के लोग गुरुद्वारे जाकर गुरुग्रंथ साहिब का पाठ करते हैं।गुरु पर्व पर सभी गुरुद्वारों में भजन, कीर्तन होता है और प्रभात फेरियां भी निकाली जाती हैं। सिंध समाज की मुखिया श्रीमती जमुना देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरु नानक जयंती के अवसर पर गुरुद्वारे में शब्द कीर्तन की सुंदर प्रस्तुति गिरीश जगयासी एवं उनके सहयोगियों के द्वारा दी गई,साथ ही लंगर का आयोजन भी किया गया। जिसमें सिंध समाज के सैकड़ो लोगों ने शामिल होकर लंगर का लुत्फ उठाया।

गुरु नानक जी की माता का नाम तृप्ता और पिता का नाम कल्याणचंद था। गुरु नानक जी का जन्म 1469 में पंजाव प्रांत के तलवंडी में हुआ था। यह स्थान अब पाकिस्तान में है। इस स्थान को नानकाना साहिब के नाम से जाना जाता है।सिख धर्म के लोगों के लिए यह बहुत ही पवित्र स्थल है।नानक देव जी एक संत, गुरु और समाज सुधारक भी थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव हित में समर्पित कर दिया था।नानक जी बचपन से ही अपना ज्यादातर समय चिंतन में बिताते थे। वे सांसारिक बातों का मोह नहीं रखते थे।गुरुनानक देव ने समाज को एकता में बांधने और जाति-पाति को मिटाने के लिए कई उपदेश दिए थे। यह सिख धर्म में मनाया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन गुरुद्वारों में कीर्तन दरबार सजता है।श्रीमती जमुना देवी ने बताया कि गुरु नानक जयंती के पावन पर्व पर दिन में आयोजित समस्त कार्यक्रम में सिंध समाज के लोगों का विशेष सहयोग रहा,वहीं रात्रि में भी युवा सिंध समिति के द्वारा शब्द कीर्तन एवं लंगर का आयोजन किया गया।

मतगणना कार्य में केवल निर्धारित मानक के अनुसार होगी गिनती

बूथ के अनुसार मशीनों का मिलान माइक्रो आब्जर्वर का मुख्य दायित्वःसीईओ

-संवाददाता-
कोरिया,28 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन के तहत आगामी 3 दिसम्बर को मतगणना का कार्य स्ट्रांग रूम परिसर रामानुज विद्यालय प्रांगण में सम्पन्न होगा। इसके लिए निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार माइक्रो आब्जर्वर भी मतगणना कार्य की निगरानी के लिए उपस्थित रहेंगे। आज जिला पंचायत के मंथन कक्ष में माइक्रो आब्जर्वर के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

3इस अवसर पर प्रशिक्षण प्रभारी जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि प्रातः 8 बजे से मतगणना स्थल पर कार्य प्रारंभ होगा, सबसे पहले प्रथम चरण में पोस्टल बैलेट की गणना की जाएगी। इसके लिए प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित मास्टर ट्रेनर विनय मोहन भट्ट ने आपको विस्तार से जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि आप किसी भी संशय की स्थिति में न रहें, 13ग लिफाफे में 13ख घोषणा पत्र और 13क के लिफाफे रहेंगे, उसके अंदर आपको मतपत्र मिलेगा जिसे आपको गणना में लेना है। इस तरह से मतों की गिनती के बाद मशीनो में पड़े मतों की गणना की कार्यवाही प्रारम्भ होंगी। जिला पंचायत सीईओ ने कहा आज माइक्रो ऑब्जर्वर के प्रशिक्षण के साथ सेक्टर अधिकारी और गणना में नियोजित अधिकारियों को संयुक्त रूप से प्रशिक्षण इसीलिए दिया जा रहा है कि आप सब एक टीम के तौर पर निष्पक्ष मतगणना कार्य सम्पादित करा सकें। सीईओ डॉ चतुर्वेदी ने कहा कि 13 नग लिफाफे मे मानक के अनुसार कोई भी कमी है तो वह आगे मतगणना के लिए निरस्त कर दिया जाएगा। इसके लिए विशेष ध्यान रखना है। उन्होंने आगे कहा कि माइक्रो ऑब्जर्वर यह विशेष ध्यान रखें कि मतदान केंद्रों में जारी हुई ईव्हीएम ही गणना के लिए टेबल पर उपलब्ध कराई जाएगी। मतों की गिनती को पारदर्शी बनाने के लिए आपको निगरानी रखने का कार्य दिया गया है इसलिए विशेष सजग होकर आपको अपना कार्य करना है। इस प्रशिक्षण सत्र में मास्टर ट्रेनर प्रोफेसर एम सी हिमधर, सहायक परियोजना अधिकारी के के गुप्ता सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में मतगणना प्रशिक्षण प्रारम्भ...पूर्ण सावधानी के साथ करें मतगणना कार्यःजिला निर्वाचन अधिकारी

आयोग के दिशा निर्देशों के एसओपी का करें पालन

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,28 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 को सफलतापूर्वक एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार दुग्गा के निर्देशन में विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतगणना के तैयारी एवं मतगणना की प्रक्रिया की जानकारी देने हेतु मतगणना कर्मियों एवं माइक्रो आब्जर्वर का प्रशिक्षण आज स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम विद्यालय मनेन्द्रगढ़ में आयोजित किया गया। जिसमें मास्टर ट्रेनर वेद प्रकाश मिश्रा द्वारा बताया गया कि निर्वाचन की प्रक्रिया में मतगणना का कार्य बेहद महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्य है। मतगणना का पूरा कार्य रिटर्निंग ऑफिसर के निर्देशन एवं निगरानी में होता है। जिला मनेन्द्रगढ़ के दोनों विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 भरतपुर-सोनहत और क्रमांक 02 मनेन्द्रगढ़ का मतगणना छत्तीगढ़ राज्य भंडारण निगम गोदाम चैनपुर में दिनांक 03 दिसंबर 2023 दिन रविवार को की जाएगी।

मतगणना केंद्र पर नियुक्त सभी गणना कर्मचारी, अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ता, गणन अभिकर्ता को मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, स्मार्ट वॉच आदि ले जाना निषेध है। मतगणना स्थल में प्रवेश के पूर्व सभी व्यक्तियों की सघन चेकिंग की जाएगी। मतगणना केंद्र में जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा

जारी फोटो युक्त पहचान पत्र के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। मतगणना का कार्य एक बड़े मतगणना हॉल में संपन्न होगा। प्रत्येक गणना टेबल पर गणना का कार्य मतगणना दल द्वारा किया जाएगा, जिसमें एक गणना पर्यवेक्षक एक गणना सहायक और एक माइक्रो आब्जर्वर (निगरानी हेतु) रहेंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा नियत समय 08:00 बजे प्रातः से मतगणना प्रारंभ होगा। मतगणना के प्रारंभ होते ही रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा मतगणना की गोपनीयता को बनाए रखने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 128 को जोर से पढ़ा जाएगा। गणन अभिकर्ता को मतगणना हाल में घूमने की अनुमति नहीं होगी, वे आबंटित टेबल पर ही बैठेंगे। निर्वाचन संचालन नियम 1961 की 54 क के अनुसार रिटर्निंग ऑफिसर के टेबल पर डाक मतपत्रों की गणना सबसे पहले प्रारंभ होगी। इसके आधे घंटे बाद समय 08:30 प्रातः से ही ई.व्ही.एम. से मतों की गणना का कार्य शुरू होगा। मतगणना कर्मियों को डाक मत पत्र गणना की प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक बतलाया गया। उन्हें यह भी बताया गया की डाक मतपत्र किन-किन कारणों से खारिज किए जाते और डाक मतपत्रों की संवीक्षा किस प्रकार किया जाता है। सभी गणना कर्मियों को ई.व्ही.एम. से मतों की गणना के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण के अंत में व्ही. व्ही. पेट के पेपर पर्चियों के गणना के बारे में जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार दुग्गा द्वारा गणना कर्मियों को संबोधित करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने निर्वाचन आयोग के अनुसार मतगणना के (एसओपी) मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करने के निर्देश देते हुए पूर्ण सावधानी के साथ मतगणना कार्य करने को कहा। पपत्रों में दर्ज लिखावट सुवाच्य एवं स्पष्ट अक्षरों में होने चाहिए। प्रशिक्षण में रिटर्निंग ऑफिसर 01 भरतपुर-सोनहत मूलचन्द चोपड़ा, रिटर्निंग ऑफिसर 02 मनेन्द्रगढ़ श्रीमती अभिलाषा पैकरा,अनिल सिदार उप जिला निर्वाचन अधिकारी, संयुक्त कलेक्टर सी.एस. पैकरा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

CMYK

भाजपा ने बैलेट मतपत्र को स्ट्रॉन्ग रूम में संधारित करने को लेकर निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-

कोरबा,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। प्रदेश में 17 नवंबर को चुनाव संपन्न होने के पश्चात अब सभी पार्टी प्रत्याशी,कार्यकर्ता एवं जनता 03 दिसंबर के इंतजार में है ,क्योंकि 03 दिसंबर चुनाव परिणाम घोषित होना है, जिसे लेकर पार्टी कार्यकर्ता एवं लोगों में कौतूहल बढ़ते जा रहा है के आखिर किसके सर पर सजेगा प्रदेश की सरकार का सेहरा । वहीं जिले में भी लोगों के मन में चुनाव परिणाम को लेकर कौतूहल देखी जा रही है के कौन बनेगा अगला जन नेता । ऐसे कश्मकश की स्थिति में जिले के भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह ने विधानसभा चुनाव की ड्यूटी में लगे अधिकारी/कर्मचारी के अलावा 80 वर्ष से अधिक आयु वाले और दिव्यांगजनों से कराए गए बैलेट पेपर से मतदान के साथ छेड़छाड़ की आशंका जताई है। जिसे लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष जिले के चारों विधानसभा के प्रत्याशियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला निर्वाचन अधिकारी से बैलेट पेपर मतपत्र को

ट्रेजरी से स्ट्रांग रूम में संधारित करने और उसकी सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के लिए ज्ञापन सौंपा है । वही भाजपा जिलाध्यक्ष ने शंका जाहिर करते हुए कहा कि पूरे छत्तीसगढ़ से शिकायतें मिल रही है कि जिस ट्रेजरी में चुनाव ड्यूटी किए अधिकारी/कर्मचारी और 80 वर्ष से अधिक आयु वाले सहित दिव्यांगजनों द्वारा डाले गए बैलेट पेपर मतपत्र पेटियों को रखे गए हैं वहां अनाधिकृत व्यक्तियों की आवाजाही अत्यधिक हो रही है, जिसके चलते मतपत्रों में हेराफेरी होने की प्रबल संभावना है । इसके अतिरिक्त कांग्रेस के पक्ष में पूर्वाग्रह से ग्रसित कुछ अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा भी मतपत्रों में अनधिकृत हस्तक्षेप किया जा रहा है,जिसे रोकने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को यह ज्ञापन सौंपा गया है साथ ही सुरक्षा को भी बढ़ाया जाने के साथ सीसीटीवी कैमरा भी लगाए जाने की बात दी गई ज्ञापन में कही गई है। बता दें कि 17 नवंबर को मतदान से पहले जिले में निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारी, कर्मचारी, 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता और दिव्यांगजनों के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने बैलेट पेपर से मतदान कराने की व्यवस्था की थी। उन मतपत्रों को जिला मुख्यालय के ट्रेजरी में रखा गया है। जिनकी गिनती 03 दिसंबर को विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान की जानी है। इसी बैलेट पेपर मतपत्र की रखरखाव को लेकर भाजपा नेता ने सवाल उठाते हुए ज्ञापन सौंपा हैं।

सार्वजनिक स्थल शांत परिक्षेत्र घोषित

-संवाददाता-

बलरामपुर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने जिले के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्र के संबंध में आदेश जारी किया है। माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का ने छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 5(2)(ग), धारा 10(2) एवं धारा 18 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अस्पताल, शिक्षण संस्थाएं एवं छात्रावास, सिविल एवं राजस्व न्यायालय, तथा धार्मिक संस्थाओं के 100 मीटर की परिधि को शांत परिक्षेत्र घोषित किया है। इन शांत परिक्षेत्रों में कम से कम 100 मीटर की दूरी तक पटाखे फोड़े जाने, प्रेसर या म्यूजिकल हार्न तथा अन्य किसी भी प्रकार के साउंड एम्प्लीफायर का उपयोग प्रतिबंतिध होगा। कलेक्टर ने बताया कि ध्वनि की सीमा औद्योगिक क्षेत्र में दिन के समय प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक 75 डेसिबल और रात्रि के समय रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 70 डेसिबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में दिन के समय 65 और रात्रि में 55 डेसिबल,आवासीय क्षेत्र में दिन के समय 55 डेसिबल, रात्रि में 45 डेसिबल तथा शांत परिक्षेत्र में दिन के समय 50 डेसिबल व रात्रि में 40 डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। साथ ही कलेक्टर ने अनुविभागों/तहसीलों में धारा 05, 06, 07 एवं 08 में उल्लेखित अनुसार आवेदन प्राप्त होने पर अनुसंशा प्रदान किये जाने तथा छत्तीसगढ़ कोलाहन नियंत्रण 1985 की धारा 13(1) एवं (2) में उल्लेखित राष्ट्रीय सामाजिक, धार्मिक स्थान (परिसर) जहां ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग परम्परा के अनुरूप किया जाता है को मुक्त रखे जाने के लिए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा तहसीलदारों को विहित अधिकारी नियुक्त किया है।

बालको ने अपने प्रचालन क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए उच्च स्तरीय एआई तकनीक को अपनाया

-संवाददाता-

कोरबा,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने संयंत्र के अंदर आंतरिक वाहन परिचालन में एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) और ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम (डीएमएस) तकनीक की शुरुआत की । इस अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से संयंत्र के अंदर ड्राइविंग और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। कंपनी के उत्पादन और उत्कृष्टता को बढ़ावा में वाहनों का योगदान महत्वपूर्ण है। दोपहिया वाहनों से लेकर पिघले एल्यूमिनियम और अन्य कच्चे माल को लेकर जाने में भारी-भरकम तकनीकी वाहनों की जरूरत होती है। सुगम वाहन परिचालन के लिए बालको सड़क सुरक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में सबसे आगे रखता है। कंपनी वाहनों की निरंतर आवाजाही के दौरान सड़क सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एडीएएस और डीएमएस डिजिटल एआई तकनीक से सड़क सुरक्षा उपायों की मदद

से संभावित मानवीय त्रुटियों को रोकने में एक मील का पत्थर साबित हुआ है।

एडीएएस तकनीक ड्राइवरों को उनके वाहनों के आसपास ब्लाइंड स्पॉट का पता लगाने में सहायता करता है। ड्राइवरों द्वारा अचानक गाड़ी के लेन बदलने पर वास्तविक समय में अलर्ट जारी करती है। डीएमएस तकनीक ड्राइवर के व्यवहार और सावधानी पर नज़र रखता है। एआई, मशीन लर्निंग टूल्स और इन्फ्रारेड इनवर्ड-फेसिंग कैमरे का उपयोग करके डीएमएस लगातार चेहरे की स्थिति, आंखों की गति और सिर की स्थिति का विश्लेषण करता है। यह किसी भी असामान्य गतिविधियों जैसे झपकी लेने, थकान, फोन के उपयोग और किसी अन्य ध्यान भटकाने की स्थिति में तुरंत अलर्ट जारी करता है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि 'शून्य क्षति' दर्शन के अनुरूप कार्यस्थल को को पूर्णतः सुरक्षित बनाने की दिशा में बालको निरंतर कार्यरत है। हमारा उद्देश्य सुरक्षित कार्यस्थल में कंपनी को सर्वोत्तम उचांई तक पहुंचाना है। संयंत्र में कंपनी के कर्मचारियों, व्यावसायिक भागीदारों और आगंतुकों की सुरक्षा के लिए प्रबंधन कटिबद्ध है। बालको परिवार का प्रत्येक सदस्य औद्योगिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण के बुनियादी नियमों और प्रथाओं का पालन करके कार्यस्थल सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी की सहभागिता से सड़क सुरक्षा को पुख्ता बनाने की दिशा में डिजिटल तकनीकों एवं नवाचार को अपनाकर 'सुरक्षा प्रथम' कार्य संस्कृति की स्थापना में मदद मिली है। कंपनी द्वारा प्रचालन के विभिन्न क्षेत्रों में टेक्नोलॉजी फर्स्टदृष्टिकोण के अनुरूप विभिन्न नवाचारों को अपनाने और कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोपरी रखने का कार्य किया है। द एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन की ओर से 'गोल्ड कैटेगरी' में बालको को ग्लोबल रोड सेफ्टी अवार्ड 2023 सहित कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं साथ ही कंपनी ने सुरक्षा डिजिटलीकरण पर अपनी 'सुरक्षा संकल्प कुटुंब' परियोजना के लिए 05वीं सीआईआई राष्ट्रीय सुरक्षा अभ्यास प्रतियोगिता में 'प्लैटिनम विजेता' का दर्जा हासिल किया है।

एनसीसी कैडेटों ने मनाया 75 वां एनसीसी एवं संविधान दिवस

-संवाददाता-

बलरामपुर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ बटालियन एनसीसी रायगढ़ के कमान अधिकारी कर्नल संतोष रावत के निर्देशन एवं प्राचार्य प्रो. एन.के. देवांगन के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में 75वां एनसीसी एवं संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में एनसीसी कैडेटों द्वारा परेड किया गया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एन.के. सिंह (सहायक प्राध्यापक वनस्पतिशास्त्र) रहे। इस अवसर पर संस्था के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट अश्वनी कुमार विश्वकर्मा ने एनसीसी के संबंध में जानकारी दी। एन.के. सिंह एवं डॉ. अर्चना गुप्ता ने छात्रों से कहा कि एनसीसी में भागीदारी और कैडेट होना गर्व की बात है, जो छात्रों में व्यक्तित्व निर्माण,आत्मविश्वास, अनुशासन को सिखाता है। ओम शरण शर्मा (सहायक प्राध्यापक

कम्प्यूटर विज्ञान) ने कहा कि एनसीसी छात्रों में सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्र निर्माण में एनसीसी की सेवाएं अतुलनीय होती है। साथ ही संविधान दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. अर्चना गुप्ता (सहायक प्राध्यापक राजनीतिशास्त्र) ने संविधान उद्देषिका का वाचन किया जिसमें सभी छात्र/छात्राएं सम्मिलित हुए तत्पश्चात भारत के संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों का पालन, भारत की सम्प्रभुता एवं अखण्डता अक्षुण्ण रखने एवं स्वंत्रता आंदोलन के आदर्शों को बढ़ावा देने संबंधी शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एनसीसी के कैडेटों ने राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक योगेश कुमार राठौर (सहायक प्राध्यापक इतिहास) एवं भूतपूर्व एनसीसी कैडेट्स ममता सिंह, आरिफ खान, राजा ठाकुर, पंकज रवि, प्रीतम सिंह, संदीप कुजूर एवं वर्तमान में एनसीसी कैडेट्स सहित महा विद्यालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

2 प्रधान पाठक,2 सहायक शिक्षक एवं 2 सहायक ग्रेड-3 निलंबित

-संवाददाता-

जशपुरनगर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

निलंबित

विधानसभा चुनाव-2023 हेतु विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी एवं पत्थलगांव में 17 नवम्बर 2023 को मतदान दल में लगाई गई ड्यूटी में अनुपस्थित पाये गये 02 प्रधान पाठक, 02 सहायक शिक्षक और 02 सहायक ग्रेड-03 को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल ने तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। इन कर्मचारियों को मतदान दिवस 17 नवम्बर 2023 को अनुपस्थित होने के कारण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं रिटर्निंग ऑफिसर के प्रतिवेदन अनुसार कारण बताओं नोटिस का जारी किया गया था। जिका समाधानकारक जवाब नहीं देने पर निलंबित किया गया है। प्रधान पाठक, सहायक शिक्षक एवं सहायक ग्रेड-02 के उक्त कृत्य से परिलक्षित होता है कि इनके द्वारा अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठापूर्वक नहीं किया गया है। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में अनाधिकृत अनुपस्थित रहे। उक्त कृत्य उदासीनता एवं लापरवाही का घोतक है तथा छ.ग. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत है। जिस हेतु प्रधान पाठक, सहायक शिक्षक एवं सहायक ग्रेड-02 को सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबित किए गए कर्मचारियों में बगीचा विकासखण्ड के प्रधान पाठक अमल सिंह एवं मनोरा विकासखंड के प्रा.शा.धौरापाठ के प्रधान पाठक सेले खाखा की ड्यूटी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 14-पत्थलगांव में मतदान अधिकारी-01 के रूप में लगाई गई थी। निलंबन अवधि में अमल सिंह एवं सेले खाखा का मुख्यालय संबंधित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में नियत किया गया है। इसी प्रकार बगीचा विकासखंड के प्रा.शा. जाड़ाकोना के सहायक शिक्षक रामलखन बैगा की ड्यूटी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 14-पत्थलगांव में एवं मनोरा विकासखण्ड के शा.उ.मा.वि.खरसोता के सहायक शिक्षक बसंत कुमार सुरेन की ड्यूटी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 13-कुनकुरी में मतदान अधिकारी-03 रूप में लगाई गई थी। निलंबन अवधि में रामलखन बैगा एवं बसंत कुमार सुरेन का मुख्यालय संबंधित विकाखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में नियत किया गया है। उप अभियंता कार्यालय, जल संसाधन उप संभाग कुनकुरी के सहायक ग्रेड-03 रामचरण लकड़ा एवं जनपद पंचायत कार्यालय कुनकुरी के सहायक ग्रेड-03 शंकर राम चौहान की ड्यूटी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 14-पत्थलगांव में मतदान अधिकारी-03 रूप में लगाई गई थी। निलंबन अवधि में रामचरण लकड़ा का मुख्यालय कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन विभाग जशपुर एवं शंकर राम चौहान का मुख्यालय जिला पंचायत जशपुर नियत किया गया है। निलंबित कर्मचारियों को निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

देव दीपावली में हसदेव महाआरती एवं दीपों की जगमगाहट को देख श्रद्धालु हुए मंत्रमुग्ध

-संवाददाता-

कोरबा,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। कोरबा अंचल के मां सर्वमंगला मंदिर क्षेत्र में हिंदू क्रांति सेना द्वारा देव दीपावली के उपलक्ष्य पर हसदेव महाआरती का आयोजन किया गया । आयोजन को लेकर हिंदू क्रांति सेना द्वारा घाट को दुल्हन की तरह सजाया गया । देव दिवाली के अवसर पर सर्वमंगला मंदिर के समीप बहने वाली जीवनदायिनी हसदेव नदी का अभिषेक 51 लीटर दूध से किया गया। हसदेव नदी का 51 मीटर लंबी चुनरी चढ़ाकर श्रृंगार भी किया गया। इस दौरान नदी घाट को 21 हजार दीपों से जगमगाया गया , वहीं हसदेव नदी में 2100 दीपों का दान किया गया। माँ सर्वमंगला देवी मंदिर के दाहिने तट पर विराजित हसदेव की महाआरती के अवसर पर जगमगाते हजारों दिए

और विद्युत बल्बों के साथ-साथ लेजर लाइट का भी शो किया गया जिसे देख हजारों की संख्या में मौजूद भक्त आकर्षित हुए। हिंदू क्रांति सेना के अध्यक्ष राहुल चौधरी के नेतृत्व व सेना के कार्यकर्ताओं के सहयोग से हुई महाआरती में श्रद्धा और भक्ति के साथ-साथ लोगों ने रोमांच का अनुभव किया। इस दौरान बनारस में होने वाली गंगा आरती के तर्ज पर हसदेव की महाआरती विविध अनुष्ठान के साथ शाम 05 बजे से शुरू हुई एवं बनारस से आए 14 पंडितों द्वारा हसदेव महाआरती कर संपन्न कराई गयी।हसदेव महाआरती में दर्री, बालको, कुसमुंडा, कटघोरा, पाली और उरगा क्षेत्र के साथ-साथ पूरे कोरबा सहित आस-पास के जिलों से करीब 30 हजार से अधिक श्रद्धालु इस महाआरती में शामिल हुए।

अवैध धान भण्डारण पर की गई कार्यवाही,300 बोरी अवैध धान जब्त

-संवाददाता-

बलरामपुर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के लिए 01 नवम्बर 2023 से धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने सभी निगरानी

दलों, नोडल तथा राजस्व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण पर लगातार कार्यवाही हो तथा वास्तविक कृषकों से ही धान खरीदी की जाये। उपार्जन केन्द्रों में कृषकों के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं हो ताकि वे सुगमता से धान का विक्रय कर पाये। कलेक्टर एक्का के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर के मार्गदर्शन में तहसीलदार रघुनाथनगर, खाद्य निरीक्षक एवं मंडी उपनिरीक्षक द्वारा गिरवानी निवासी लालचंद जायसवाल के द्वारा(उत्तर प्रदेश) से लाकर स्वयं के गोदाम में अवैध रूप से भण्डारित किये गए 300 बोरी धान लगभग 120 क्विंटल धान को जब्त कर कार्यवाही की गई। ज्ञातव्य है कि कलेक्टर एक्का ने जिले में अवैध धान की आवक को रोकने के लिए टीम गठित कर कोचियों एवं बिचौलियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही नागरिकों से अपील की है कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि तथा अनियमितता होने पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिसमें शिकायतकर्ता की जानकारी पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाएगी।

मतगणना के संबंध में स्ट्रांग रूम प्रभारी व लाईनमेन को दिया गया प्रशिक्षण

-संवाददाता-

सूरजपुर,28 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के निर्देशन में मतगणना के संबंध में स्ट्रांग रूम प्रभारी व लाईनमेन तथा सहायक कर्मचारियों का जिला पंचायत के सभाकक्ष में दिनांक 27 नवंबर 2023 को प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें स्ट्रांग रूम के प्रभारी व लाईनमेन को उनके कार्य एवं उत्तरदायित्व को विस्तार से बताया गया। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर पी.सी. सोनी प्राचार्य द्वारा बताया गया कि मतगणना स्थल आईटीआई भवन परीं में दिनांक 03 दिसंबर 2023 को आयोग द्वारा नियत समय प्रातः 08:00 बजे से मतगणना कार्य प्रारंभ होगा। मतगणना के संबंध में स्ट्रांग रूम प्रभारी व लाईनमेन तथा सहायक कर्मचारियों को पीपीटी के माध्यम से विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का निरीक्षण उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियंका वर्मा द्वारा किया गया और प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रेमनगर (04) रिटर्निंग ऑफिसर रवि सिंह, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर सुश्री वर्षा बंसल व अन्य संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

हॉकी शिविर के लिए 39 सदस्यीय कोर ग्रुप घोषित

नई दिल्ली, 28 नवम्बर 2023। हॉकी इंडिया ने स्पेन में आगामी पांच देशों के टूर्नामेंट की तैयारी के मद्देनजर पुरुष राष्ट्रीय शिविर के लिए मंगलवार को 39 सदस्यीय कोर ग्रुप टीम की घोषणा की। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन अगले साल पेरिस ओलंपिक के लिए नये दृष्टिकोण के साथ तैयारी करना चाहते हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।

अब टीम 15 दिसंबर से वालेंसिया में पांच देशों का टूर्नामेंट खेलेगी। विश्व चैम्पियन जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम और मेजबान स्पेन टूर्नामेंट की अन्य टीम हैं। पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर बुधवार से बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में शुरू होगा।

फुल्टन ने कहा, ''हांगझोउ एशियाई खेलों के सफल अभियान के बाद लंबा ब्रेक रहा। टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों ने चेन्नई में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया और मुझे भी कुछ युवा और उभरते हुए खिलाड़ियों को करीब से खेलते हुए देखने का मौका मिला।'' उन्होंने कहा, ''हम अब पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों में नये दृष्टिकोण के साथ बेंगलुरु के साइ केंद्र में एकजुट होंगे।''

फुल्टन ने आगे कहा, ''जैसा कि मैंने कहा है कि यह एक प्रक्रिया है और हम एशियाई खेलों के अभियान पर गौर करेंगे और समझेंगे कि हम बतौर टीम कैसे बेहतर कर सकते हैं और इस दिशा में ही आगे काम करेंगे।'' राष्ट्रीय शिविर के कोर ग्रुप में वो सभी 18 खिलाड़ी हैं जिन्होंने पिछले महीने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है।

टीम कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ''पिछले हफ्ते काफी अच्छे रहे क्योंकि हमने परिवार के साथ समय बिताया और चेन्नई में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में अपने घरेलू राज्य के लिए भी खेले। अब हम राष्ट्रीय शिविर में टीम को बेहतर करने की कोशिश करेंगे।''

कोर संभावित ग्रुप में खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है।

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पी आर श्रीजेश , सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान।

डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मंजीत।

मिडफील्डर: मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

फॉरवर्ड: एस कार्ति, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, पवन राजभर।

गिरोना ने एथलेटिक बिलबाओ से ड्रा खेला, तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवाया

नई दिल्ली, 28 नवम्बर 2023। यूक्रेन के विक्टर सिगानकोव ने 55वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। पर इसके 12 मिनट बाद इनाकी विलियम्स ने गोल कर एथलेटिक बिलबाओ को बराबरी पर ला दिया। गिरोना फुटबॉल क्लब ने सोमवार को यहां एथलेटिक बिलबाओ से 1-1 से ड्रा खेला जिससे उसने स्पेनिश लीग तालिका में शीर्ष पर वापसी करने का मौका गंवा दिया। गिरोना ला लीगा में अपने पिछले 12 में से 11 मैच जीतकर सभी को हैरान करने वाली टीम रही है। उसके लिए यूक्रेन के विक्टर सिगानकोव ने 55वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। पर इसके 12 मिनट बाद इनाकी विलियम्स ने गोल कर एथलेटिक बिलबाओ को बराबरी पर ला दिया। इस मुकाबले में अंक बांटने के बावजूद गिरोना तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है। वह अंक के मामले में शीर्ष पर चल रहे रियाल मैड्रिड (35 अंक) की बराबरी पर है। लेकिन क्लब एटलेटिको मैड्रिड और बार्सिलोना से चार अंक आगे हैं जो संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। एथलेटिक बिलबाओ पांचवें स्थान पर है।

ओडिशा एफसी ने मोहन बागान को 5-2 से हराया

नई दिल्ली, 28 नवम्बर 2023। हुगो बौमास में मैच के 17वें मिनट में मोहन बागान का खाता खोला लेकिन रॉय कृष्णा (29वां मिनट), डियागो मौरिको (32वां मिनट) और साइ गोड्डार्ड (41वां मिनट) के गोल से ओडिशा ने 3-1 की बढ़त बना ली।

ओडिशा एफसी ने एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) कप के ग्रुप डी मैच में सोमवार को यहां आईएसएल (इंडियन सुपर लीग) के मौजूदा चैंपियन मोहन बागान सुपरजायंट्स को उनके घरेलू मैदान में 5-2 से हराकर स्तब्ध कर दिया।

हुगो बौमास में मैच के 17वें मिनट में मोहन बागान का खाता खोला लेकिन रॉय कृष्णा (29वां मिनट), डियागो मौरिको (32वां मिनट) और साइ गोड्डार्ड (41वां मिनट) के गोल से ओडिशा ने 3-1 की बढ़त बना ली।

कियान निस्सारी ने मैच के 63वें मिनट में गोल कर मोहन बागान की वापसी करायी लेकिन आखिरी मिनटों में अनिकेत जाधव (90+2 मिनट) और इसाक वानलालरुतफेला के गोल से ओडिशा की टीम ने 5-2 की बढ़त बनाकर मैच अपने नाम करने में सफल रही।

पाकिस्तान के लिए चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की संभावना नहीं

नई दिल्ली, 28 नवम्बर 2023। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान में जल्द ही किसी भी आईसीसी कार्यक्रम की मेजबानी की संभावना नहीं है, साथ ही 2025 चैंपियंस ट्रॉफी को भी स्थानांतरित किए जाने की संभावना है। भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा राजनीतिक तनाव अभी भी पहले से कहीं अधिक गर्म है, पाकिस्तान को टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका मिलने की संभावना नहीं है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) इस कार्यक्रम का आयोजन कर सकता है।

नवंबर 2021 में, ICC ने पाकिस्तान को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी प्रदान की और तत्कालीन पीसीबी अध्यक्ष रमिज़ राजा ने इस खबर पर प्रसन्नता व्यक्त की। यह 1996 विश्व कप के बाद उपमहाद्वीप राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक टूर्नामेंट था, जिसकी सह-मेजबानी भारत ने की थी।

हालाँकि, बीसीसीआई ने पाकिस्तान दौरे के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया और एशिया कप 2023 के लिए अपनी पुरुष टीम को देश में नहीं भेजा। धीरे-धीरे, एशिया कप 2023 हाइब्रिड मॉडल के साथ आगे बढ़ा, जिसमें भारत ने अपने सभी खेल श्रीलंका में खेले। जबकि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका जैसी टीमों ने 2009 के नरसंहार के बाद से पाकिस्तान का सफलतापूर्वक दौरा किया है, लेकिन बीसीसीआई द्वारा अपना रुख बदलने की संभावना नहीं है।

2025 संस्करण से पहले पाकिस्तान गत चैंपियन है:

इस बीच, पाकिस्तान मौजूदा चैंपियन है, जिसने इंग्लैंड में आयोजित 2017 संस्करण जीता था। सरफराज अहमद की कप्तानी में, मेन इन ग्रीन ने ओवल में फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को 180 रनों से हराकर ट्रॉफी जीती।

2009 में इंग्लैंड की धरती पर आईसीसी विश्व टी20 जीतने के बाद यह ट्रॉफी पाकिस्तान की पहली ट्रॉफी साबित हुई। 2023 विश्व कप में पाकिस्तान को ग्रुप-स्टेज से बाहर होने के बाद, वे अपने ताज का सफलतापूर्वक बचाव करने के लिए उत्सुक होंगे।

आईटीएफ मास्टर्स टेनिस गुवाहाटी में ऑल असम टेनिस एसोसिएशन में शुरू हुआ

गुवाहाटी, 28 नवम्बर 2023। आईटीएफ मास्टर्स एमटी 200 टूर्नामेंट आज शहर के ऑल असम टेनिस एसोसिएशन परिसर में शुरू हुआ। यह टूर्नामेंट पुरुषों और महिलाओं के लिए विभिन्न आयु वर्गों में खेला जा रहा है और देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग साठ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। टूर्नामेंट का फाइनल 1 दिसंबर को होगा।

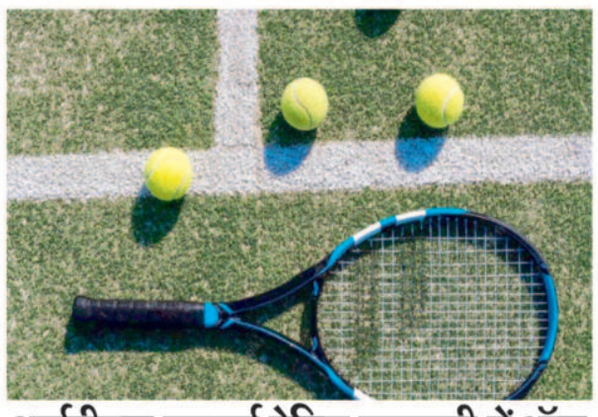

24-घंटे चलने का तीसरा संस्करण यहां होगा आयोजित

हैदराबाद, 28 नवम्बर 2023। हैदराबाद रनर्स सोसाइटी ने 25 नवंबर को शाम 6 बजे से 26 नवंबर को शाम 6 बजे तक 24 घंटे चलने वाले अपने तीसरे संस्करण 'गौडियम स्टेडियम रन-2023' का आयोजन किया।

आयोजन में 9 दौड़ श्रेणियां थीं। टीम रिले श्रेणियों में 12 घंटे की टीम रिले ड्रू रात्रि दौड़, 12 घंटे की टीम रिले ड्रू दिन की दौड़ और एकल दौड़ श्रेणियां शामिल हैं। यह 24 घंटे, 12 घंटे और 6 घंटे की अवधि के लिए आयोजित किया गया था। 24 घंटे सोलो अल्ट्रा, 12 घंटे सोलो अल्ट्रा, 6 घंटे अल्ट्रा और 12 घंटे टीम रिले इवेंट की रन श्रेणियां थीं

दौड़ में दोनों शहरों और बाहरी स्थानों से 600 से अधिक धावकों ने भाग लिया। 6 धावकों/टीमों वाली लगभग 85 टीमों ने रिले

क्रम में प्रत्येक 2 घंटे तक दौड़ लगाई। टीमों में एक टीम के रूप में भाग लेने के लिए पुरुष, महिला मिश्रण अनिवार्य था।

दौड़ को गौडियम के संस्थापक निदेशक के कीर्ति रेड्डी और गौडियम के सीईओ रामकृष्ण रेड्डी और हैदराबाद रनर्स के अध्यक्ष अभिजीत मदनूरकर ने हरी झंडी दिखाई।

दौड़ को हरी झंडी दिखाने के लिए हैदराबाद रनर्स सोसाइटी के सचिव अरुण कुमार के और रघु पीतांबरन कोषाध्यक्ष भी मौजूद थे और उन्होंने धावकों को एक टीम के रूप में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

हार्दिक पंड्या ने गुजरात टाइटंस को भावनात्मक रूप से अलविदा कहा

मुंबई,28 नवम्बर 2023। गुजरात टाइटंस के पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस में दोबारा शामिल होने के बाद उन्होंने दो साल फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना बेहद सम्मान की बात कही। 30 वर्षीय ने एक्स को लिया और एक लंबा संदेश पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि सवारी अविस्मरणीय थी और अपने साथ कुछ विशेष यादें लेकर जाएगी।

सोमवार को, मुंबई इंडियंस ने आधिकारिक तौर पर पंड्या को अपने रैंक में शामिल करने की घोषणा की। गौरतलब है कि बड़ौदा में जन्मे क्रिकेटर ने 2015 में मुंबई इंडियंस के साथ अपना करियर शुरू किया था और 2015, 2017, 2019 और 2020 में उनकी चार खिताबी जीत का हिस्सा थे। टाइटन्स के निदेशक विक्रम सोलंकी ने खुलासा किया कि पंड्या अपने पुराने करियर में लौटना चाहते थे। फ्रेंचाइजी.

मैं गुजरात टाइटन्स के प्रशंसकों, टीम और

प्रबंधन को दिल से आभार व्यक्त करना चाहता हूं। टीम का हिस्सा होना और इसका नेतृत्व करना एक पूर्ण सम्मान रहा है और मैं अपने परिवार और मुझे मिले प्यार और प्रोत्साहन के लिए बेहद आभारी हूं। एक खिलाड़ी और एक व्यक्ति। जीटी के साथ यादें और अनुभव हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखेंगे। अविस्मरणीय यात्रा के लिए धन्यवाद।

भविष्य में उनके लिए क्या होगा, इसके लिए हम उत्साहित हैं नीता अंबानी ने हार्दिक पंड्या का मुंबई इंडियंस में वापस स्वागत किया

मुंबई इंडियंस की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से एक बयान में कहा गया है कि फ्रेंचाइजी की मालिक नीता अंबानी का मानना है कि पंड्या ने वहां लौटकर पूरा चक्र पूरा कर लिया है, जहां से यह सब शुरू हुआ था। उसने कहा हम हार्दिक का घर वापसी पर स्वागत करते हुए रोमांचित हैं! यह हमारे मुंबई इंडियंस परिवार के साथ एक हार्दिक पुनर्मिलन है! मुंबई इंडियंस की एक युवा प्रतिभा से लेकर अब टीम इंडिया के स्टार बनने तक, हार्दिक ने एक लंबा सफर तय किया है और हम इसके लिए उत्साहित हैं भविष्य उनका और मुंबई इंडियंस का है!

मुंबई इंडियंस में वापसी पर हार्दिक पंड्या ने कहा-मैं वहीं वापस आ गया

नई दिल्ली,28 नवम्बर 2023। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस (एमआई) में वापसी करने वाले हार्दिक पंड्या ने सोमवार को पांच बार के चैंपियन के साथ अपनी यात्रा पर विचार किया।

दो साल तक गुजरात टाइटंस के साथ सफलता का स्वाद चखने के बाद, अनुभवी ऑलराउंडर सोमवार को फ्रेंचाइजी में लौट आए जहां उनका करियर 2015 में शुरू हुआ था।

मैं वापस आ गया हूं। रोहित, बुमराह, सूर्या, ईशान, पॉली (पोलार्ड), मलिंगा। आइए शुरू करते हैं। जाहिर है, मुंबई वापस आने का एहसास कई कारणों से बहुत खास है। 2015 में मेरी क्रिकेट यात्रा कैसे शुरू हुई एमआई के साथ, उन्होंने मुझे 2013 में नोटिस कियाज्जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूंज्कैसे 10 साल की मेरी अवधि बहुत खास रही है। यह अभी तक खत्म नहीं हुआ है कि आखिरकार, मैं वापस वहीं आ गया हूं जहां से मेरी पूरी क्रिकेट यात्रा शुरू हुई थी। मैं हार्दिक ने एमआई द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, सभी संभव चीजें हासिल की हैं। वे मेरे

जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं।

उन्होंने एमआई मालिकों के साथ-साथ प्रशंसकों के साथ साझा किए गए विशेष बंधन के बारे में बात की।

आकाश और पूरे परिवार के साथ विशेष बंधन। वे हर सुख-दुख में मेरे साथ रहे हैं और यह बहुत अधिक भावनात्मक है क्योंकि ऐसा लगता है जैसे मैं अपने घर वापस आ रहा हूं। मैं अपने परिवार के पास वापस आ रहा हूं जहां से यह सब शुरू हुआ था। पलटन , आपने पहली बार मेरा समर्थन किया और सभी यादों का मेरे दिल में एक विशेष स्थान है और सभी यादों का मेरे दिल में एक विशेष स्थान है। मुझे पता है कि आप एक बार फिर मेरा समर्थन करेंगे। हमने एक टीम के रूप में इतिहास रचा और अब मैं देख रहा हूं एक बार फिर लड़कों के साथ कुछ अद्भुत पल बनाने के लिए तत्पर हूं। मेरे हार्दिक स्वागत के लिए, धन्यवाद, हार्दिक ने कहा।

हार्दिक ने 2015-2021 तक एमआई के लिए 92 मैच खेले, जिसमें 27.33 की औसत और 153 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,476 रन बनाए, जिसमें चार अर्धशतक और 91 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। उन्होंने टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ 42 विकेट भी लिए। 3/20 के गेंदबाजी आंकड़े।

एनिमल बनी रणबीर कपूर के करियर की सबसे महंगी टिकट वाली फिल्म! कीमत जानकर चौंक जाएंगे आप

फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और अनिल कपूर लीड रोल में हैं. यह साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. ट्रेलर रिलीज के तुरंत बाद, फिल्म को लेकर चर्चा काफी ज्यादा बढ़ गया है. मेकर्स ने 25 नवंबर को फिल्म के लिए टिकट खिड़की खोली और भले ही दिल्ली और मुंबई जैसे मेट्रो शहरों में टिकट की कीमतें अधिक हैं, फिल्म देखने वाले कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और बड़ी संख्या में अपनी सीटें पक्की कर रहे हैं. एनिमल का ट्रेलर रिलीज होते ही फैंस इसके लिए दीवाने और ज्यादा बढ़ गई. फिल्म के एक सीन में, जहां रणबीर कपूर और अनिल कपूर की पाप बेटे की भूमिकाओं को उलट दिया गया था, नेटिज़न्स द्वारा बहुत अधिक ध्यान आकर्षित कर रहा है. दृश्य में, रणबीर अपने पिता से माइकल जैक्सन के म्यूजिक इवेंट के लिए अनुमति मांगने के लिए उनसे छोटे होने का नाटक करने के लिए कहते हैं. जब अनिल छोटे रणबीर के रूप में कहते हैं पापा, पापा, पापा, तो रणबीर चिल्लाते हैं. सुनाई दे रहा है बेहरा नहीं हूं मैं. पिता-पुत्र का चित्रण रणबीर और अनिल कपूर का रिश्ता अनोखा और दिलचस्प है.अर्जुन रेड्डी और कबीर सिंह फेम संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित अखिल भारतीय फिल्म में अनिल कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं. फिल्म एक पिता और पुत्र और उनके परेशान रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है. यह अंडरवर्ल्ड में एक्स्ट्रा खून खराबा वाले बैकग्राउंड पर आधारित है. कृष्ण कुमार की टी-सीरीज़, मुराद खेतानी के सिने1 स्टूडियो और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स द्वारा निर्मित एनिमल 1 दिसंबर को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी. एक रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई में सबसे महंगे टिकट की कीमत बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में आईनॉक्स मैसन जियो वर्ल्ड प्लाजा में देर रात के शो के लिए 2,200 रुपये है.

ऋषभ शेट्टी की कांतारा चेप्टर 1 की पहली झलक आई सामने,टीजर भी जारी,पोस्टर देख लोगों के खड़े हुए रोंगटे

कांतरा की अपार सफलता के बाद मेकर्स अब फिल्म का अगला पार्ट कांतरा चैप्टर 1 ला रहे हैं. हाल ही में इस फिल्म की अनाउंसमेंट की गई थी, जिसके बाद आज फिल्म का पहला लुक और इसका टीजर रिलीज हो गया है, जो काफी शानदार है. इस टीजर में एक्टर और निर्देशक ऋषभ शेट्टी को एक भयानक और दिलचस्प रूप में दिखाया गया है, जिसे देख वाकई दर्शकों की नींद उडने वाली है. टीजर देखने के बाद ये कहना गलत नहीं होगा कि ये पहली फिल्म से ज्यादा रहस्मयी और शानदार होने वाली है. टीजर की बात करें तो, इसकी

शुरुआत ऋषभ को भयानक जंगल में भागते हुए देखा जा रहा है. बैकग्राउंड में एक खूंखार म्यूजिक भी सुनाई दे रही है. टीजर को देखने के बाद किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे. बता दें कि, पिछले साल ग्लोबल स्तर पर तहलका मचा दिया था. फिल्म की कहानी और कलाकारों की एक्टिंग ने दर्शकों दीवाना बना दिया था. अब पहले पार्ट के बाद फिल्म के अगले पार्ट का भी फैंस को बेसब्री से इंतजार है. वहीं कांतारा चैप्टर 1 के अगले साल 7 भाषाओं कांतारा चैप्टर को हिंदी और कन्नड़ सहित तमिल, तेलुगु, मलयालम, इंग्लिश और बंगाली भाषा में रिलीज होगी। इसकी शूटिंग दिसंबर के अंत में शुरू होगी. फिलहाल फिल्म के कलाकारों का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन फिल्म का पहला लुक असाधारण कहानी से भरी एक समानांतर दुनिया की यात्रा को दर्शाता है. तो एक ऐसे गहन अनुभव के लिए तैयार हो जाइए जो भाषाई सीमाओं से परे है और दुनिया भर के दर्शकों पर गरहा प्रभाव छोडने का वादा करता है.

'नकली' शाहरुख के साथ टाइगर-पठान रील बनाते सलमान की नहीं रुकी हंसी

मुंबई, 28 नवम्बर 2023। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान, जो वर्तमान में अपनी नवीनतम दिवाली रिलीज टाइगर 3 की सफलता का आनंद ले रहे हैं, हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम में शाहरुख खान के एक प्रशंसक से मिले और उनके साथ मजेदार बातचीत की। एक वीडियो वायरल हो गया है जिसमें सलमान और प्रशंसक अभिनेता की भतीजी अलिजेह अग्निहोत्री की फिल्म फरे के प्रचार के दौरान पठान-टाइगर रील बनाते नजर आ रहे हैं।

फैन को शाहरुख खान की नकल करते हुए 'पठान और टाइगर यहां है' कहने की कोशिश करते देख सलमान अपनी हंसी नहीं रोक सके।

वीडियो में सलमान को पहले टेक के बाद हंसते हुए दिखाया गया है। हालांकि, वह खुद पर काबू नहीं रख सके और फैन की हरकत देखकर एक बार फिर जोर-जोर से हंसने लगे। दरअसल, हर टेक के बाद वह हंसने लगे।

वीडियो को एक सेलिब्रिटी फोटोग्राफर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है और इस पर नेटिज़न्स की खूब प्रतिक्रियाएं आई। वीडियो को और भी मजेदार बनाने वाली बात यह थी कि उस फैन की शाहरुख से कोई समानता नहीं थी। अब वायरल हो रहे पोस्ट के टिप्पणी अनुभाग में, नेटिज़ेंस ने उन्हें 'नकली' कहा और कई हंसी वाले इमोटिकॉन्स छोड़े।

एक यूजर ने कमेंट किया, डुप्लीकेट सल्लू के साथ असली शाहरुख। एक अन्य ने लिखा, जब थाकन टाइगर से मिलता है।

एक अन्य टिप्पणी पढ़ें,तंदूर से निकला हुआ पठान।

शाहरुख और सलमान की दोस्ती बॉलीवुड में सबसे पसंदीदा दोस्ती में से एक है। दोनों खानों का एक लंबा इतिहास है, उन्होंने अपना करियर लगभग एक ही समय में शुरू किया और तीन दशकों तक उद्योग में सुपरस्टार बने रहे।

यह कहना गलत नहीं होगा कि शाहरुख और सलमान अपने करियर की शुरुआत से ही एक-दूसरे के चक्कर लगाते रहे हैं, जिसकी शुरुआत 1995 की फिल्म करण अर्जुन से हुई, जिसमें उन्होंने भाइयों की भूमिका निभाई थी। सलमान ने कुछ कुछ होता है में अतिथि भूमिका निभाई और शाहरुख ने हर दिल जो प्यार करेगा में एहसान चुकाया। उन्होंने हम तुम्हारे हैं सनम, जीरो और ट्यूबलाइट जैसी अन्य फिल्मों में भी स्क्रीन स्पेस साझा किया।

उनकी सबसे हालिया उपस्थिति एक-दूसरे की फिल्मों ड्रू पठान और टाइगर 3 में उनका बहुप्रचारित कैमियो है।

टिकिट की कालाबाजारी और ऑनलाइन ठगी रोकने का प्लान नहीं

ऑनलाइन बुकिंग से लेकर टिकिट की हार्ड कॉपी लेने वालों को खासी दिक्कतें आ रही हैं। वहीं ऑनलाइन ठग भी मैच को लेकर कई तरह की नकल कर पैसे लूट रहे

रायपुर,28 नवम्बर 2023(ए)। रायपुर रेंज आईजीपी रतनलाल डांगी ने इंडिया-ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट मैच से पहले सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। आयोजन में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था तो है, लेकिन टिकिट की कालाबाज़ारी और ऑनलाइन ठगी को रोकने के लिए कोई पुख्ता प्लान नहीं बनाया गया है।

यहां तक कि इस खेल आयोजन में पार्किंग की व्यवस्था और आम लोगों के लिए रूट मैप जारी किया जायेगा। आईजी डांगी ने क्रिकेट स्टेडियम पहुंचने से लेकर वहां पर गाड़ियों की पार्किंग से जुड़े व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली।

रायपुर में होने वाले इंडिया-ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट मैच की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किया रायपुर आईजी ने रिव्यू लिया। उन्होंने बताया कि स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था में 1000 से ज्यादा फोर्स तैनात होगी। बता दें कि मैच देखने आ रहे लोगों को कोई कंफ्यूजन न हो और वह सहूलियत से अपने पास के अनुसार गेट तक पहुंच जाए। पार्किंग की व्यवस्था और आम लोगों के लिए रूट मैप जारी किया जायेगा। आईजी डांगी ने सुरक्षा से जुड़े कुछ निर्देश भी पुलिस अफसरों को दिए।

इनपर सुरक्षा का दारोमदार

रायपुर ग्रामीण एएसपी नीरज चंद्राकर ने बताया क्रिकेट स्टेडियम में खिलाड़ियों के साथ दर्शकों की सुरक्षा का भी ध्यान रखने के लिए पूरी प्लानिंग की गई है।

इसमें 2 आईजी, 3 डीआईजी, 10 एसपी और कमांडेंट स्तर के अफसर, 30 एडिशनल एसपी समेत 75 टीआई मिलाकर करीब 1000 की संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। संदिग्ध गतिविधियों को पुलिस 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरें के जरिये देखते ही एक्शन लेगी।

कालाबाजारी रोकने प्लान नहीं

राजधानी रायपुर का शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम 1 दिसंबर के क्रिकेट मैच के लिए तैयार है। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले टी 20 क्रिकेट मैच के लिए टिकटें बिकनी भी शुरू हो चुकी है। लेकिन आसानी से खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों को बिना दिक्कत के टिकिट मिले इसका पुख्ता इंतजाम नहीं किया गया है।

ऑनलाइन बुकिंग से लेकर टिकिट की हार्ड कॉपी लेने वालों को खासी दिक्कतें आ रही हैं। वहीं ऑनलाइन ठग भी मैच को लेकर कई तरह की नकल कर पैसे लूटने में लगे हैं। प्रबंधन और सायबर पुलिस ने इसकी रोकथाम के लिए कोई पुख्ता प्लानिंग तो दूर टीम तक नहीं बनाया है।

एक खेल प्रेमी से हुई ऐसी ठगी

राजधानी रायपुर के एक खेल प्रेमी से इस मैच के लिए बड़े ही नाटकीय अंदाज़ में ठगी हो गई। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले ञ20 क्रिकेट मैच की टिकिट बिक्री का जिसके पास जिम्मा है, हूबहू उसी नक़ल की ऑनलाइन साइट में टिकिट बिक्री मात्र 1000 रु में रिफ्रेशमेंट समेत देने का ऑफर चल रहा है।इस साइट को देखकर रायपुर के ही गुरविंदर सिंह खालसा ने परिवार और मित्रों के लिए तत्काल ऑनलाइन ही 20 टिकिट बुक कर 20 हजार पेमेंट भी कर दिया। बाद में उन्हें पता चला कि इस मैच का लाइव रोमांच खाने-पिने की व्यवस्था के साथ उठाने वाला ऑफर गाजियाबाद की एक होटल में बिग स्क्रीन का था।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बजट की तैयारियां शुरू

1.30 लाख करोड़ से अधिक का होगा बजट

» **चुनावी वादा पूरा करने में खर्च होंगे 65 हजार करोड़ से अधिक**

रायपुर,28 नवम्बर 2023(ए)। प्रदेश में 2024-25 के बजट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बीस से ज्यादा विभागों के साथ बजट के लिए बैठकों में चर्चा हो चुकी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार 2023-24 के बजट से अधिकतम सात प्रतिशत बढ़ोतरी का आदेश शासन से प्राप्त हुआ है, लिहाजा इस बार का बजट 1.30 से 1.35 लाख करोड़ रुपये के बीच होगा। साथ ही विभिन्न विभागों में खाली पदों की जानकारी भी मंगाई गई है। ऐसे में संकेत साफ है कि नई सरकार के गठन के बाद विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया तेज होगी।

विभागों से मंगाया प्रस्ताव

वित्त विभाग के अधिकारियों के अनुसार पुलिस विभाग के अलावा अन्य विभागों में खाली पदों के लिए भी बजट में प्रावधान बनाए जा रहे हैं। शासन ने वाणिज्यिक कर, राजस्व, खनिज, परिवहन को राजस्व वसूली की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश जारी किए हैं। इससे पहले वित्त विभाग ने सभी विभागों को 30 नवंबर तक बजट प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं।

वाणिज्यिक कर विभाग को 11 हजार करोड़ का राजस्व

राजस्व में प्रमुख योगदान देने वाले विभागों को राजस्व वसूली की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। वाणिज्यिक कर विभाग (राज्य जीएसटी) ने अक्टूबर महीने तक 11,900 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त कर लिया है, जो कि तय लक्ष्य का 54 प्रतिशत है। वाणिज्यिक कर विभाग ने इस वर्ष 22 हजार करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रखा है।

सैक्स रैकेट का हुआ भांडाफोड़

» **मां-बेटे चला रहे थे सेक्स रैकेट**

» **छापेमारी कर पुलिस टीम ने दबोचा**

रायगढ़,28 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ और उससे लगे क्षेत्रों में देह व्यापार होने की खबरे लगातार सामने आती रहती है। बीते कल ही खरसिया के ग्राम तेलीकोट में छापा मारकर पांच युवतियों और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। वहीं अब पुलिस ने सारंगढ़ पुलिस ने देह व्यापार के गोरख धंधे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने देह व्यापार में संलिप्त मां-बेटे को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, सिटी कोतवाली पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि टिमरलगा नातनाला के पास लंबे समय से देह व्यापार का धंधा चल रहा है। मुखबिर की सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने यहां से देह व्यपार में संलिप्त मां बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि बीते कल यानी सोमवार को ही खरसिया क्षेत्र के तेलीकोट गांव में भी देह व्यापार की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच युवतियों और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

कांग्रेसी हारने के बाद यहां कर सकते हैं कब्जा

रायपुर,28 नवम्बर 2023(ए)। विधानसभा चुनाव 2023 के नतीजे आने में अब महज 5 दिन का ही वक्त बचा है। ऐसे में दो प्रमुख सियासी दलों के लीडर तल्ख़ बयानी से बाज़ नहीं हैं। अपने-अपने पक्ष में बढ़-चढ़कर बयानबाजी का सिलसिला अब सोशल मीडिया में एक दूसरे पर तंज कसने की नौबत तक पहुंच गया है। बीजेपी का तंज- कांग्रेसी हारने के बाद कब्जा कर सकते हैं।

पूर्व मंत्री और प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता अजय चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ के चुनाव नतीजों के बाद की परिस्थिति की अमेरिका के पिछले आम चुनाव के बाद बनी स्थिति से तुलना किये है। चंद्राकर ने अपने ट्वीट में लिखा है कि कांग्रेसी हारने के बाद महानदी भवन और सीएम हाउस पर कब्जा कर सकते हैंजैसा ट्रंप समर्थकों ने किया था।

उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि,

छत्तीसगढ़ में चुनाव हारने के बाद कांग्रेस पार्टी महानदी भवन और मुख्यमंत्री निवास पर अवैध कब्जा करने की कोशिश कर सकती है। इसके साथ उन्होंने उदाहरण देते हुए लिखा है, जैसा कि चुनाव हारने के बाद डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों ने अमेरिका में किया था। साथ ही उन्होंने प्रशासन को संभावित वैसी परिस्थिति से निपटने के लिए गंभीरता से तैयारी करके रखने की सलाह दी है।

सुशील बोले अपनी हार देखकर दिमागी संतुलन बिगड़ गया है

प्रदेश कांग्रेस संचार मीडिया के चेयरमेन प्रवक्ता सुशिल आनंद शुक्ला ने पलटवार किया है। श्री शुक्ल ने उनके ट्वीट पर कमेंट किया है। कहा है कि कुरुद में तय हार देखकर आप मानसिक संतुलन खो चुके हैं। कृपया आप किसी साइकेट्रिस्ट यानि कि मनोचिकित्सक को दिखायें।

हो जाएं सावधान,कॉल उठाते ही आपका अकाउंट हो सकता है खाली

रायपुर,28 नवम्बर 2023(ए)। साइबर ठगों ने लोगों को ठगी का नया तरीका खोज लिया है। अब वह कॉल रिसीव करते ही फोन हैक कर लेते हैं। इसके बाद उस नंबर से रजिस्टर्ड बैंक खाते की पूरी रकम पार कर देते हैं। हाल ही में सरस्वती नगर क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के साथ ऐसा ही हुआ है। पहले उन्हें दो अनजान नंबरों से उन्हें कॉल आया। इसके बाद उनका मोबाइल हैक हो गया और उनके क्रेडिट कार्ड से 96 हजार रुपये से ज्यादा पार हो गए। कोटा कॉलोनी निवासी शेषनारायण कसार ने शिकायत में बताया है कि उनके मोबाइल पर 23 अक्टूबर को दो अनजान मोबाइल नंबरों से काल आया। उन्होंने कॉल रिसीव किया।

जिसके बाद उनके नंबर पर फारवर्ड एक्टिव हो गया। इसके कुछ देर बाद उनके क्रेडिट कार्ड से 10 बार ट्रांजेक्शन हो गए। इससे उनके बैंक खाते से 96 हजार 726 रुपये कट गए। जैसे ही उन्हें इसकी जानकारी एसबीआइ बैंक से मिली। पीड़ति ने पुलिस में शिकायत की। दरअसल पहले साइबर ठग मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर बनकर फोन करते हैं। फिर कहते हैं कि आपका अकाउंट हैक कर लिया गया है या आपके सिम कार्ड में कोई समस्या आ गई है। इसके बाद समस्या का समाधान बताते हुए अपने फोन से 401 से शुरू होने वाला एक नंबर डायल करने कहते हैं। जैसे ही आप ऐसा करते हैं मोबाइल के सभी कॉल साइबर ठग के एक नंबर पर ही फारवर्ड हो जाते हैं। इस तरह आपके खाते या कार्ड की पूरी जानकारी ठग के पास चली जाती है। जिसका इस्तेमाल कर ठग आपके खाते को खाली कर देते हैं।

नहीं थम रही है लड़कियों की गुंडागर्दी

» **माना एयरपोर्ट में ट्रैवल कंपनी की युवतियों के बीच जमकर हुई मारपीट**

रायपुर,28 नवम्बर 2023(ए)। राजधानी रायपुर में निजी टैक्सी कंपनी और उनके कर्मचारियों की गुंडागर्दी थम नहीं रही है । टैक्सी कंपनी के कर्मचारी जबरन यात्रा करने का दबाव डालते है, मना करने पर मारपीट करने उतारू हो जाते है। राजधानी रायपुर के माना एयरपोर्ट पर पैसेंजर बैठाने को लेकर टैक्सी कंपनियों की महिलाकर्मियों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों की तरफ से एफ आई आर दर्ज कर 8 आरोपियों को अरेस्ट किया है। एयरपोर्ट के बाहर जब यात्री पहुंचे तो उन्हें अपनी-अपनी कंपनी की गाड़ियों में बैठाने के लिए युवतियों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी से शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। दोनों ओर से करीब आधे घंटे तक लात-घूसों की बारिश होती रही।

एक साथ टूट पड़ीं पांचों युवतियां

मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने इस पूरे बवाल का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। साफ दिख रहा है कि युवतियों ने पीले रंग की टी-शर्ट पहन रखी है, जिनमें राहुल ट्रेवल्स लिखा हुआ है। इसी ट्रेवल्स में काम करने वाली 5 युवतियां दूसरी कंपनी की एक युवती पर एक साथ टूट पड़ीं। पांचों ने घेरा बनाया और फिर युवती को बाल पकड़कर जमकर पीटा। इस बीच पीड़ित खुद को बचाने की कोशिश करती रही। एक अन्य युवती भी बीच बचाव की कोशिश करती नजर आई।

एफआईआर के बाद 8 आरोपी गिरफ्तार

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत करवाया। दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने एफ आई आर दर्ज कर 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वीडियो में दिख रहे लोगों की पहचान डब्ल्यूटीआई ट्रेवल्स की ऐश्वर्या तारक, पूजा साहू, सुष्मिता, सुभाष मिश्रा और राहुल ट्रेवल्स की प्रीति बर्मन, अमीषा बर्मन, मनीषा यादव और अंजू बर्मन के रूप में हुई है।

नक्सलियों की दखल अब शिक्षण संस्थाओं में भी

» **कॉलेज के अंदरूनी मामलों में करने लगे हैं हस्तक्षेप**

» **महाविद्यालय के मसलों को लेकर संघर्ष का आह्वान**

जगदलपुर,28 नवम्बर 2023(ए)। बस्तर संभाग के बीजापुर जिले से एक बड़ी चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यह मामला ऐसा है, जिस पर यकीन कर पाना मुश्किल है, लेकिन हुआ कुछ ऐसा है कि उस पर यकीन करना ही होगा। नक्सलियों ने पहली बार शिक्षण संस्थाओं के अंदरूनी मामलों में दखल देने की कोशिश की है, वह भी बाकायदा लिखित फरमान जारी कर।नक्सली संगठन अब तक शासन, प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों, ठेकेदारों, निजी माल वाहक गाड़ियों, यात्री बसों, रेलवे लाईनों, निर्माण एजेंसियों आदि को ही टारगेट करते रहे हैं। वनवासियों और आदिवासियों के अधिकारों और जल, जंगल, जमीन की तथाकथित रक्षा की बात करते रहे हैं। इन सबकी आड़ लेकर वे सैकड़ों दफे खून की होली खेल चुके और अरबों खरबों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में इस तरह की घटनाएं अब नई बात नहीं रह गई हैं। यहां के लोग इन सबके अभ्यस्त भी हो चुके हैं। मगर इस सोमवार को नक्सलियों ने एक नया और अप्रत्याशित फरमान जारी कर दिया, जो बस्तर संभाग के साथ ही समूचे छत्तीसगढ़ और देश में भी खलबली मचाने वाला है।

बीजापुर के निर्वाचन अधिकारी को बताया कांग्रेस का एजेंट

» **पूर्व मंत्री और बीजेपी प्रत्याशी महेश गागड़ा बोले- छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार की भेंट च रहा है चुनाव बीजापुर में निर्वाचन अधिकारी बने हैं कांग्रेस के एजेंट**

रायपुर,28 नवम्बर 2023(ए)। पूर्व मंत्री और बीजेपी प्रत्याशी महेश गागड़ा बोले- छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार की भेंट चे रहा है चुनाव। उन्होंने कहा बीजापुर में निर्वाचन अधिकारी कांग्रेस के एजेंट बने हैं।

उन्होंने जोगी कांग्रेस के उम्मीदवार रामधार जुर्री द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को भेजे गए प्रमाणों का हवाला देते हुए कहा कि हम लगातार बीजापुर में की जा रही चुनाव धांधली की शिकायत कर रहे हैं लेकिन जिला निर्वाचन अधिकारी पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। इससे स्पष्ट रूप से आशंका है कि चुनाव को भ्रष्ट आचार की भेंट चे या जा रहा है।

पूर्व मंत्री व बीजापुर से भाजपा प्रत्याशी महेश गागे ा ने कहा कि पूरे चुनाव के दौरान यह देखा गया कि बीजापुर में निर्वाचन अधिकारी ने कांग्रेस के एजेंट के तौर पर काम करते हुए निष्पक्ष चुनाव की प्रतिबद्धता की धज्जियां उे ई हैं और मतगणना में भी धांधली की पूरी तैयारी की गई है। बीजापुर में निर्वाचन अधिकारी कांग्रेस के पक्ष में काम कर रहे हैं।जिसका प्रमाण जोगी कांग्रेस के प्रत्याशी ने भी उजागर कर दिए हैं। यह साफ हो गया है कि जिला निर्वाचन अधिकारी और इनके उप अधिकारी के तैनात रहते निष्पक्ष मतगणना सम्भव नहीं है। ये निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के विरुद्ध कांग्रेस के पक्ष में परिणाम प्रभावित करने में लगे हुए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर राजेन्द्र कटारा को तत्काल हटाया जाना चाहिए।

मरीज की मौत का वीडियो हुआ वायरल

रायपुर,28 नवम्बर 2023(ए)। रायपुर के अनंत साई हॉस्पिटल से एक मरीज ने छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया. मरीज ओडिशा का बताया जा रहा है. हालांकि घटना 16 नवंबर 2023 की है, लेकिन इस घटना का वीडियो अब सामने आया है.खम्हारडीह थाना पुलिस के मुताबिक मरीज बहादूर बरिया मूलतः बरगढ़ जिले का रहने वाला था. वे पिछले कुछ दिनों से अनंत साई हॉस्पिटल में भर्ती था. मरीज ने वहां से छलांग लगाकर सुसाइड क्यों किया इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है. पुलिस के मुताबिक मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, उसके छलांग लगाने के बाद उसे भर्ती कराया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी.

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)